डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

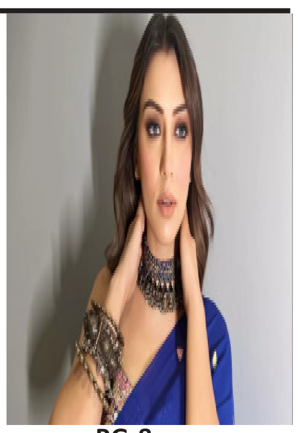
PG-8

सिनेमाः-ओटीटी पर स्ट्रीम होगी हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया की शादी सामने आई ये नई डिटेल्स

वर्ष -08 अंक -216 | प्रयागराज, मंगलवार, 15 नवंबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में बांटी जाएंगी जवाहर लाल नेहरू की किताब की 600 प्रतियां

(आधुनिक समाचार सेवा)
मुंबई। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जयंती के अवसर पर कांग्रेस भारत जोड़ा यात्रा के दौरान आज नेहरू की किताब 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' की 600 कॉपियां बांटी जाएंगी। राहुल गांधी की अध्यक्षता में हो रही कांग्रेस की भारत जोड़ा यात्रा का आज 68वां दिन है। भारत जोड़ो यात्रा इस समय महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के कलमनुरी में है। महाराष्ट्र में विपक्षी पार्टियों

के कई नेता इस यात्रा में राहुल गांधी के साथ चलते नजर आ चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा में भाग ले रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर बताया, का 68वां दिन है और नेहरू की 133वीं जयंती भी। हम अभी महाराष्ट्र के हिंगोली ज़िले में हैं। संयोग से अंग्रेज़ी और हिंदी के अलावा मराठी में भी उन पर एक अच्छी किताब आई है। (मो) डिस्टोरियनंस उन्हें बदनाम और कलंकित करना जारी रखेंगे, लेकिन नेहरू प्रेरणा देते रहेंगे। उनकी प्रासंगिकता 2014 के बाद ही बढ़ी है। नेहरू की प्रतिष्ठित पुस्तक भारत एक खोज/ हिंदुस्तान की कहानी की 600 प्रतियां आज यात्रियों को वितरित की जाएंगी। इन्हें अल्प सूचना पर एक वालंटियर दिल्ली से 23 घंटे ड्राइव कर के लाया है।दिल्ली में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने उन्हें शांतिवन में श्रद्धांजलि अर्पित की।

4 साल की मासूम के दिल का आपरेशन कवाएंगे गौतम अडाणी, ट्वीट कर कहा- जल्द मनुश्री लौटेंगी स्कूल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत के सबसे अमीर शख्स गौतम अडाणी लखनऊ में रहने वाली एक 4 साल की मासूम

के लिए फरिश्ता बने हैं। जहां उन्होंने दिल में छेद के बाद जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही लखनऊ की मनुश्री की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है दरअसल, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में सरोजनीनगर इलाके की रहने वाली 4 साल की मनुश्री के दिल में पैदा होने के समय से ही छेद है, जिसके बाद डाक्टरों ने उनके आपरेशन पर 1 लाख से अधिक का खर्च बताया है। ऐसे में अब अडाणी ने बच्ची के इलाज में लगने वाला पूरा खर्च उठाने का वादा किया है। अडाणी ने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि 'मनुश्री बहुत जल्द ठीक हो जाएंगी, मैंने अडाणी फाउंडेशन को उनके परिवार से संपर्क करने और हर संभव मदद देने के लिए सुनिश्चित किया है उन्होंने आगे कहा कि मनुश्री जल्दी ही अपने स्कूल वापस लौट सकेंगी और अपने दोस्तों के साथ फिर से खेल सकेंगी। बता दें कि मनुश्री का आपरेशन लखनऊ में 15 नवंबर को संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल में होगा जिसमें करीब 1.25 लाख रुपए का खर्च आएगा।

गोवा के आईपीएस अधिकारी ने कैंसर को दी मात, कठिन मानी जाने वाली आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस की पूरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
पणजी। धैर्य और दृढ़ संकल्प की मिसाल पेश करते हुए गोवा के एक भारतीय पुलिस सेवाअधिकारी (आईपीएस) ने आयरनमैन ट्रायथलॉन की कठिन दौड़ को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कैंसर से लड़ाई लड़ी और बाधाओं को मात दी हालांकि निधि वलसन ने ट्रायथलॉन रेस नहीं जीता, लेकिन उनकी शक्ति और इच्छा शक्ति के अनुकरणीय प्रदर्शन ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया। वलसन एक पुलिस अधीक्षक (अपराध शाखा) हैं और गोवा में संवेदनशील भूमि हड़पने के मामलों को संभालने में माहिर हैं।रविवार को 1,400 से अधिक अन्य प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए वाल्सन ने पणजी में आयरनमैन 70.3 रेस पूरी करने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'मैंने सोचा कि अगर मैं ऐसा करने में सफल होता हूं तो मैं दुनिया को

दिखा सकूंगा कि कोई क्या हासिल कर सकता है और उम्मीद है कि सभी को दिखाऊंगा कि कैंसर से लड़ना कोई असंभव बात नहीं है।आयोजकों ने कहा कि आईपीएस अधिकारी ने निर्धारित समय के भीतर 8 घंटे, 3 मिनट और 53 सेकंड में दौड़ पूरी की। वाल्सन ने कहा कि उन्हें पहले गैर-हॉजकिन के लिंफोमा का पता चला था। यह एक कैंसर होता है जो आमतौर पर लसीका प्रणाली में विकसित होता है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने हार नहीं मानी और इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई लड़ी और इस साल फरवरी में उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ घोषित किया गया। ट्रायथलॉन में कुल 1,450 प्रतिभागी थे, जिसमें 1.9 किमी खुले समुद्र में तैरना, 90 किमी साइकिल चलाना और 21 किमी दौड़ना शामिल था। आयोजकों द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे के पूर्व छात्र निहाल बेग ने यह दौड़ जीती, जबकि भारतीय सेना के गत चैंपियन बिस्वोरजीत सैखोम दूसरे स्थान पर रहे।

राज्यमंत्री वी मुरलीधरन बोले– केरल के राज्यपाल को पद से हटाने का प्रस्ताव संवैधानिक रूप से अमान्य

(आधुनिक समाचार सेवा)
तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को विभिन्न

राज्य विश्वविद्यालयों में कुलाधिपति के पद से हटाने के कदम को संवैधानिक रूप से अवैध करार दिया है। मुरलीधरन ने पिनाराई विजयन सरकार से सबूत जारी करने की मांग की कि राज्यपाल ने केरल में विश्वविद्यालयों का भगवाकरण करने की कोशिश की थी। मुरलीधरन ने मीडियाकर्मियों से कहा, 'केरल के राज्यपाल ने हमेशा एक स्टैंड लिया है कि वह संविधान के संरक्षक हैं और वह केरल के लोगों के हितों की रक्षा करेंगे।'उन्होंने कहा, 'राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के मामलों में एक स्टैंड लिया है, जिसमें निष्पक्ष चयन प्रक्रिया होगी जहां नियुक्तियों में भ्रष्टाचार नहीं होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'सरकार भ्रष्टाचार का समर्थन करने के लिए एक अध्यादेश लाई और दावा किया कि यह संवैधानिक रूप से सही है।' केरल राजभवन ने शनिवार को पुष्टि की कि उसे विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलाधिपति के पद से राज्यपाल को हटाने का अध्यादेश प्राप्त हुआ है।केरल कैबिनेट ने बुधवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को चांसलर पद से हटाने के लिए एक अध्यादेश लाने का फैसला किया।

पीएफआई सदस्य मौलाना इरफान दौलत नदवी को महाराष्ट्र एटीएस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नासिक। महाराष्ट्र एटीएस (आतंकवाद विरोधी दस्ते) ने सोमवार को सुबह नासिक से पीएफआई सदस्य मौलाना इरफान

दौलत नदवी को गिरफ्तार किया है। नदवी को नासिक एटीएस द्वारा एक प्राथमिकी के सिलसिले में गिरफ्तार किया। इस सिलसिले में अब तक सात आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। नदवी पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। बता दें कि कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की आतंकी फंडिंग व अन्य गतिविधियों के चलते भारत में पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने यूएपीए एक्ट के तहत इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया है। बता दें कि एक कट्टरपंथी संगठन है। 2017 में ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। जांच में इस संगठन के कथित रूप से हिंसक और आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने के बात आई थी। के डोजियर के मुताबिक यह संगठन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना गया।

पीएम मोदी का एलानः 'वसुधैव कुटुम्बकम' की थीम के साथ भारत में आयोजित होगा जी20 सम्मेलन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आगामी जी20 शिखर

सम्मेलन (जी20 2022) में भाग लेने के लिए बाली रवाना होने से पहले वहां उठाए जाने वाले मुख्य मुद्दों को बताया। पीएम ने कहा कि वह बाली में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे वैश्विक मुद्दों पर जी20 नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बाली रवाना होने से पहले पीएम ने कहा, ठमैं इंडोनेशिया की अध्यक्षता में होने वाले 17वें जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 14-16 नवंबर 2022 को इंडोनेशिया के बाली का दौरा करूंगा और वहां वैश्विक मुद्दों को उठाऊंगा। पीएम मोदी 17वें जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज बाली रवाना होंगे। पीएम कार्यालय के अनुसार मोदी अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान विभिन्न जी20 देशों के नेताओं से द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि जी 20 शिखर सम्मेलन के मौके पर मैं कई अन्य भाग लेने वाले देशों के नेताओं से मिलूंगा और उनके साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा करूंगा। पीएम मोदी ने इसी के साथ कहा कि बाली में हस्तांतरित होने वाली जी20 की अध्यक्षता एक गौरव का क्षण होगा। उन्होंने इसी के साथ कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' या 'एक धरती एक परिवार एक भविष्य' थीम पर ही भारत में जी20 सम्मेलन आयोजित होगा। इस बार का जी20 शिखर सम्मेलन इसलिए भी खास है क्योंकि इस सम्मेलन में भारत को जी20 की अध्यक्षता का हस्तांतरण किया जाएगा। भारत 1 दिसंबर 2022 से उ20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता एक वर्ष की अवधि के लिए करेगा।

गोवा में बनेगा कन्नड़ भवन सीएम प्रमोद सांवत ने कन्नड़वासियों से किया जमीन खरीदने का आग्रह

(आधुनिक समाचार सेवा)
बिचोलिम (गोवा)। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत ने कन्नड़ भवन और आवासीय आवास बनाने के लिए कन्नड़ के लोगों को खुद से जमीन पर गोवा में चर्चा की थी। उन्होंने कन्नड़ भवन की मांग को लेकर अपनी बात दोहराई है। कर्नाटक सरकार के पास जमीन की कमी है लेकिन आप अपनी खरीदी हुई जमीन पर रुपये आवंटित किए थे।जानकारी के लिए बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने अपने गोवा समकक्ष प्रमोद सावंत से कन्नड़ कला और संस्कृति को बढ़ावा देने

खरीदने का आग्रह कर दिया है। सीएम सावंत ने कहा कि सरकार से जमीन का अनुरोध करने के बजाय खुद ही जमीन खरीदकर कन्नड़ भवन का निर्माण करना शुरू कर दे। सावंत ने बिचोलिम उत्तरी गोवा में अखिल गोवा कन्नड़ संघ द्वारा आयोजित 7वें सांस्कृतिक सम्मेलन में ऐसी टिप्पणी की है।सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रमोद सावंत ने कन्नडिगा निवासियों से कहा कि आपके मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मुझसे इन मुद्दों भवन का निर्माण कर सकते हैं जो आपके पास है।इससे पहले, कर्नाटक सरकार ने तटीय राज्य गोवा में कन्नड़ भवन के निर्माण के लिए लगभग एक से दो एकड़ आकार की संपत्ति की मांग करते हुए प्रमोद सावंत को पत्र लिखा था। बता दें कि गोवा में रहने वाले कन्नडिगा लगभग चार दशकों से एक भवन की मांग कर रहे हैं। पिछले राज्य के बजट में कर्नाटक के सीएम ने गोवा में एक भवन स्थापित करने के लिए 10 करोड़ के लिए तटीय राज्य में कन्नड़ भवन बनाने के लिए एक एकड़ जमीन की मांग की है। अक्टूबर महीने की शुरूआत में बसवराज बोम्मई ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में एक मठ के स्वामित्व वाली भूमि पर कर्नाटक भवन की आधारशिला रखी थी। बता दें कि उद्धव ठाकरे गुट के स्थानीय पदाधिकारी इस मांग का जमकर विरोध कर रहे हैं। बता दें कि इस विरोध के कारण कन्नड़ भवन का निर्माण कार्य बाधित हो रखा है।

जवाहर लाल नेहरू की जयंती आज, पीएम मोदी ने उनके योगदान को सराहा; सोनिया गांधी और खरगे ने अर्पित की पुष्पांजलि

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की 133वीं जयंती है। आज का यह दिन 'बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि हमारे पूर्व

प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूं। हम अपने राष्ट्र के लिए उनके योगदान को भी याद करते हैं। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्मारक शांति वन में पुष्पांजलि अर्पित की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री के जबरदस्त योगदान के बिना 21वीं सदी के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री को 'लोकतंत्र का चैंपियन' कहते हुए खरगे ने कहा कि उनके विचारों ने चुनौतियों के बावजूद भारत के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया है। भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने वाले जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर, 1889 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। आज उनकी 133वीं जयंती है। उनकी जयंती को देश में हर साल बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। नेहरू का मानना था कि बच्चे देश का सबसे बड़ा संसाधन हैं। यही वजह है कि उनकी जयंती 14 नवंबर को मनाई जाती है। उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहा जाता था। इससे पहले भारत में बाल दिवस 20 नवंबर को मनाया जाता था, जिस दिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व बाल दिवस मनाया जाता है। लेकिन नेहरू की मृत्यु के बाद 14 नवंबर को बाल दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। उनके जन्मदिन को बाल दिवस या बाल दिवस के रूप में चिह्नित करने के लिए संसद में एक प्रस्ताव पारित किया गया था।

अवैध घुसपैठ, सीमा पार की गतिविधियां भारत-बांग्लादेश बॉर्डर की हैं प्रमुख चुनौतियां; सरकार ने जारी की रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठ और सीमा पार गतिविधियां प्रमुख चुनौतियां हैं। इसे उच्च स्तर के रूप में चिह्नित किया गया है। भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल लंबाई 4,096.7 किलोमीटर है। इसमें से

3,145 किमी को कटीले तारों के बाड़ से कवर किया गया है। शेष को बिना तार के कवर करने की योजना है। घुसपैठियों की पहचान के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय की 2021-22 वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भारत-बांग्लादेश सीमा अत्यधिक चुनौतियों से भरी रही है। 26 जुलाई, 2022 को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि पिछले पांच सालों में 2,399 बांग्लादेशी नागरिकों को धोखाधड़ी से प्राप्त भारतीय दस्तावेजों का उपयोग करते हुए पाया गया था। उन्होंने कहा कि केंद्र ने राज्य सरकारों से भारत में रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों (घुसपैठियों) की पहचान करने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा है। राय ने कहा कि राज्यों को उचित कानूनी कार्रवाई के लिए गलत तरीके से आधार कार्ड हासिल करने वाले अवैध प्रवासियों का ब्योरा साझा करने की भी सलाह दी गई है। पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने 16 नवंबर, 2016 को संसद को सूचित किया था कि उपलब्ध इनपुट के अनुसार भारत में लगभग दो करोड़ (20 मिलियन) अवैध बांग्लादेशी प्रवासी रह रहे हैं।गृह मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भारत-बांग्लादेश सीमा के पार से घुसपैठ, तस्करी और अन्य राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए सरकार ने इसके साथ एक बाड़ का निर्माण किया है। इसमें कहा गया है कि सीमा पार से देश-विरोधी गतिविधियों सहित अवैध घुसपैठ और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए भारत सरकार ने दो चरणों में फ्लड लाइट्स (सीमा पर लगी लाइटें) के साथ सीमा बाड़ के निर्माण को मंजूरी दी थी। इसे मार्च 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा।सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर पश्चिम बंगाल, मेघालय, असम, मिजोरम और त्रिपुरा में फ्लड लाइट लगाने का काम करने का फैसला किया है। मंजूर किए गए 3,077.549 किलोमीटर बॉर्डर फ्लड लाइट में से 2,681.99 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। शेष को मार्च 2024 तक पूरा किया जाना है।2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के तत्कालीन प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने कहा था कि अगर वह सत्ता में आए तो अवैध रूप से भारत में रहने वाले बांग्लादेशियों को बाहर कर दिया जाएगा।पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के सेरामपुर में एक चुनावी रैली में कहा था कि सिर्फ वोटों के लिए राजनेताओं ने उनका रेड कार्पेट डालकर स्वागत किया है। उन्होंने कहा था कि इसे आप नोट कर सकते हैं, कि 16 मई के बाद इन बांग्लादेशियों को अपने बैग पैक करके तैयार रहना चाहिए।गौरतलब है कि बांग्लादेश से कथित अवैध घुसपैठ के कारण असम और पश्चिम बंगाल राज्य सबसे बुरी तरह से प्रभावित माने जाते हैं।

प्रयागराजः क्षत्रिय स्वर्णकार युवक समिति ९०९ दरियाबाद कल्याणी देवी प्रयागराज

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। धर्मशाला प्रांगण में चुनाव उपरांत शपथ ग्रहण समारोह के मंच की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप मे बिराजमान हुई मा, श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी महापौर जी उनके शुभ हाथों के द्वारा दीपांजलि करते हुये माल्यार्पण करते हुये स्वागत व अभिनन्दन किया गया। साथ ही नव निर्वाचित तीनों पदाधिकारियों मे अध्यक्ष रोहित वर्मा (गुलाब), महामंत्री इंद्रेश नाथ वर्मा (सोनू), कोषाध्यक्ष शिवम सोनी का शपथ ग्रहण करवाया गया। इसके बाद समिति के चुनाव अधिकारियों का सम्मान किया गया एवं समिति के संरक्षको व अतिथियों का सम्मान करते हुये सम्मान पत्र स्मृति चिन्ह और माल्यार्पण कर शॉल पहनाकर सभी का स्वागत अभिनन्दन किया गया।साथ ही साथ पूर्व कार्यकारिणी के अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष की विदाई की गई एवं सभी पदाधिकारियों का समिति की ओर से सम्मान पत्र देकर मान बढ़ाया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से शहर की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी, शिव शंकर वर्मा, बसंत लाल आजाद, दीनानाथ वर्मा, श्याम जी वर्मा, विनय सोनी, अशोक कुमार वर्मा, रवीन्द्र कुमार वर्मा, राजनाथ वर्मा, पप्पू जी वर्मा, गोपाल जी स्वर्णकार, गोपीनाथ वर्मा, अवधेश नारायण वर्मा, राकेश वर्मा, नितिन स्वर्णकार, अभिषेक ठाकुर, परमानंद वर्मा, राजेश वर्मा, सुधीर वर्मा, पंकज सोनी, क्रांति जौहरी, रचना वर्मा, पूजा वर्मा, रत्ना वर्मा, एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अनेकों महिला शक्तियां उपस्थित रहे।

प्रयागराजः फर्जी पता देकर खोले बैंक खातों में साइबर ठगी का पैसे जमा करवाने गैंग के 6 सदस्य गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। कर्नलगंज और साइबर पुलिस की टीम ने सोमवार को एक ऐसे गैंग का पर्दाफ़ाश किया जो साइबर फ्रॉड कर पैसे को फर्जी पते पर खोले बैंक खाते पर मँगवाता था। गिरोह के छह सदस्य की निशानदेही पर 33400 रुपए, एटीएम, आधार कार्ड, चेक बुक और मोबाइल आदि बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला की आरोपी सिटरम मंडल अपने ज़िले गीरिड़ीह, झारखण्ड के लड़कों को शहर लाकर किराए के कमरों में रखता था। फिर उनके आधार कार्ड लेकर उनके पते बदलवा दिया करता था। बदले पते पर अलग-अलग बैंकों में खाते खोले

जाते थे। इन्हीं खातों पर साइबर या फ़ायनैन्शल फ्रॉड के पैसे जमा होते थे। फिर यहां से पैसे निकाल कर वापस झारखण्ड ट्रांसफ़र कर दिया जाता था। आरोपियों के बैंक खातों की जांच हुई तो पता लगा की इन्होंने देश भर से फ्रॉड किया था। इनके खाते में बनारस से सुरेंद्र कुमार का भी एक लाख रुपया आया था। आरोपियों की पहचान विकास दास, मनीष कुमार मण्डल, राकेश मण्डल, गोविंद मण्डल, कारण कुमार मण्डल के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से 30 एटीएम कार्ड, 14 चेक बुक, 25 पास बुक और 17 आधार कार्ड आदि बरामद हुए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के सामने 40 अवैध दुकानों को तोड़ दिया गया

कानपुर रोड पर सड़क चौड़ीकरण की जद में आई दुकानों को तोड़ने के दौरान विरोध होने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। हाईकोर्ट के आदेश पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने रविवार सुबह 11 बजे फ्लाईओवर के नीचे हनुमान मंदिर से अवैध दुकानों का ध्वस्तीकरण शुरू किया। पीडीए की टीम ध्वस्तीकरण के लिए पहुंची तो अधिकतर दुकानें बंद थीं। पीडीए की टीम के पहुंचते ही दुकान संचालक मौके पर पहुंचे। ध्वस्तीकरण शुरू करने से पहले दुकानदारों को सामान निकालने का अल्टीमेटम दिया गया। कई दुकानदारों ने दुकानों से सामान निकालना शुरू कर दिया। कुछ दुकानदार ध्वस्तीकरण का विरोध करने लगे। विरोध करने वालों को पीडीए की टीम ने समझाया। पुलिस ने सभी को विरोध समाप्त करने का आग्रह किया। इसके बाद भी विरोध होता रहा तो पुलिस ने बल प्रयोग किया। पुलिस का तेवर देख विरोध शांत हो गया और ध्वस्तीकरण के दायरे में सभी दुकानों से सामान निकाला जाने लगा। कुछ देर में कई दुकानें खाली हो गईं। पीडीए के जोनल अधिकारी बीपी सिंह की अगुवाई में दुकानों का ध्वस्तीकरण शुरू हुआ। प्रवर्तन दल ने हनुमान मंदिर से इंडियन बैंक तक फ्लाईओ?वर के दोनों तरफ दुकानों पर बुलडोजर चला दिया। जोनल अधिकारी ने बताया कि दुकानें मार्ग चौड़ीकरण के दायरे में थीं। फोर्स नहीं मिलने के कारण कार्रवाई नहीं हो रही थी। सड़क चौड़ीकरण के दायरे में और भी दुकानें हैं, जिन्हें तोड़ा जाएगा।

केक काटकर मनाया गया बाल दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिले के प्राथमिक विद्यालय अलावलपुर शिक्षा क्षेत्र हनुमानगंज पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं जिन्होंने अपनी जयंती को बाल दिवस के रूप में बनाने का संकल्प लिया बालमन के धनी पंडित जवाहरलाल नेहरु की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम पंडित जवाहरलाल नेहरु की चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया तत्पश्चात बच्चे एवं विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों ने उनकी जयंती के अवसर पर केक काटकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर विद्यालय की अध्यापिका अंजली तोमर में नेहरू जी के जीवन पर विस्तार पूर्वक बच्चों को बताया नेहरू के जीवन से जुड़ी हुई तमाम कहानियों को उन्होंने बताया उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू के जीवन में सबसे रोचक वाक्या उस समय का है जब वो अध्यापन कार्य कर रहे थे उनके पिता स्वर्गीय मोतीलाल नेहरू जी ने एक तोता पाल रखा था जिसकी निगरानी उनका नौकर करता था स्कूल से जैसे ही नेहरू जी घर में प्रवेश किए तोता उनको देखकर बोलने लगा नेहरू जी रूखे और पीछे मुड कर देखा तो तोता आशा भरी नजरों से देख रहा था उसे देखकर नेहरू जी ने पिजड़े का दरवाजा खोल दिया और तोता को आजाद कर दिया जैसे नौकर आया तो नेहरू जी से बोला ये क्या किया आपने जवाब था उन्होंने कहा एक तरफ जहां देश आजादी के लिए तड़प रहा है वही यह तोता पिझडे में म कैद है इसलिए मैं इसे आजाद किया कि दुनिया में सब को आजादी प्रिय है इसके साथ ही अन्य शिक्षकों ने अपने उद्बोधन में नेहरू जी के जीवन पर विस्तार से बताया इसके बाद विद्यालय में बच्चों के खेल

का आयोजन भी किया गया इसमें दौड़, कबड्डी एवं चित्रकला की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार यादव सभी बच्चों और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और साथ ही उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि नेहरु जी अपनी जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया ऐसा इसलिए कि बालमन सदैव जिज्ञासु होता है और व्यक्ति के जीवन में जिज्ञासा का मर जाना व्यक्ति के जीवन को आगे बढ़ने से रोक देते हैं इसलिए सदैव अपने अंदर बाल मन को जीवित रखें और देश की तरक्की में अपना योगदान अपेक्षित करें।

आरव फाउंडेशन का पांचवा स्थापना दिवस हुआ संपन्न समाजसेवी किए गए सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज आरव फाउंडेशन संस्था के पांचवे स्थापना दिवस पर जनपद के समाजसेवियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कौशल्या नन्दगिरी ' मां' व जनपद की प्रसिद्ध नैदानिक मनोचिकित्सक डॉ. डॉक्टर

ईशान्या राज बतौर मुख्य अतिथि शामिल रहीं। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर टीना मां ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि ठ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाले युवा समाज सेवियो की देश को बहुत जरूरत है। जो भी युवा समाज के प्रति सेवा भाव से जैसा भी योगदान कर रहा हो उसका सामर्थ बढ़ाएं।ठ वहीं लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. ईशान्या राज ने मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी व लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि ठमानसिक स्वास्थ्य के प्रति हर युवा पूरी जानकारी रखे ताकि वह मानसिक स्वास्थ्य की किसी प्रकार की भी विकृति से जूझ रहे व्यक्ति को संबल देने के क्षेत्र में अपना पूर्ण योगदान का निर्वहन कर सके व किसी हारे हुए मन का सहारा बन सके।कार्यक्रम में आरव फाउंडेशन के संस्थापक विवेक गुप्ता ने मुख्य अतिथि एवं सभी विशिष्ट अतिथियों को पुष्प गुच्छ एवं भगवान श्री रामचन्द्र जी की तस्वीर भेंट करते हुए उनका स्वागत किया। इसके बाद कार्यक्रम में आधारशिला वृद्धाश्रम के वृद्धजनों ने भजन व गीत की शानदार प्रस्तुति किया। इसी कड़ी में संस्था ने लगभग 80 से ज्यादा समाज सेवियों को कार्यक्रम मोमेंटो, सर्टिफिकट, तुलसी स्मृति चिन्ह आदि भेंट कर उनका उत्साह वर्धन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य स्थापना दिवस के मौके पर युवाओं में समाज सेवा के विचार का संचार करना व समाजसेवियों को सम्मानित करना रहा। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे करीब 40 समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रसिद्ध लोक गायक मिश्र बंधु, अभिषेक शुक्ला (शुरुआत प्ले स्कूल), युवा कवि एवं समाज सेवक विजेंद्र पाठक (अंदाज़ पोएट्री), डॉ0 राहुल शुक्ला,श्रवण कुमार शर्मा, मंगला प्रसाद तिवारी,प्रीति सैनी (मण्डल समन्वयक सीफार,प्रयागराज।),गोस्वामी शशांक भारती (आधारशिला वृद्धआश्रम), शालिनी सिंह ,नमित द्विवेदी (होप रेस्क्यूर),सुशील श्रीवास्तव (अधराशीला वृद्धआश्रम),प्रियंका सेन,राहुल सिंह दीक्षित (आरोहन फाउंडेशन)अंकित कन्नौजिया ,पूनम मिश्रा,विकास वर्मा,प्रवीण अग्रवाल,नीरज पुरवार,र्ण्ई इंद्रासेन सिंह,र्ण्ई राम कुमार मिश्रा,कुशल सिंह, साक्षी दुबे (साईं वेलफेयर) आदि चेहरों ने सिरकत किया। कार्यक्रम को सफल दिशा देने के लिए अथक प्रयास करने वाले संस्था के सदस्य गौतम मिश्रा, संध्या कनोजिया, श्रेया मिश्रा, शाहीन, शुभम, उत्कर्ष,शुभम दुबे, राजक्रांति यादव, कोमल, शुभ,रिया, क्षमा, आयुषी, सोनम आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

सिविल लाइन्स थाने में धरना दे रहे छात्रो को समझाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सिविल लाइन्स थाने में धरना दे रहे छात्रो को समझाने के दौरान रो पड़े इस्पेक्टर सिविल लाइन्स वीरेंद्र यादव, छात्रो के न मॉनने पर खुद वर्दी उतार कर धरने पर बैठने लगे तो लोगो ने रोका उसके बाद आंदोलन करने वाले छात्रों ने इस्पेक्टर की बात मान कर धरना खत्म कर दिया। मामला यूनिवर्सिट के छात्र को कार सवार लोगो द्वारा मार पीट करने का था।

राजापुर, कैंट इलाके में एक दरोगा समेत दो घरों का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों की चोरी की

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। राजापुर निवासी रिटायर दरोगा राम प्रसाद पांडेय ने कैंट थाने में चोरी की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस को बताया ले गए। चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हैं। वहीं दूसरी ओर बेली निवासी दिलीप कुमार पटेल के घर से चोरों ने दो लाख रुपये, चार झुमका, चार लाकेट समेत अन्य कीमती सामान

कि वह गांव चले गए थे। चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर वारदात की। आलमारी में रखे 35 हजार रुपये और कीमती गहने चोरी कर गायब कर दिये हैं। उसने कैंट पुलिस को बताया कि तीन दिन पहले वह अपने गांव सोरांव गए थे। घर सूना पाकर चोरों ने वारदात की।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थान पात्र छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्रों को 15 नवम्बर के अन्दर प्रत्येक दशा में ऑनलाइन अग्रसारित करना सुनिश्चित करें

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री इन्द्रसेन सरोज ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि वर्ष 2022-23 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्र/छात्राओं द्वारा ऑन-लाइन किये गये आवेदन पत्रों को शिक्षण संस्थाओं द्वारा अग्रसारित किये जाने की अन्तिम तिथि शासन द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 2022 निर्धारित की गयी है। उन्होंने जनपद के शिक्षण संस्थाओं को सूचित किया है कि पात्र छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्रों को दिनांक 15 नवम्बर, 2022 के अन्दर प्रत्येक दशा में ऑनलाइन अग्रसारित करना सुनिश्चित करें। यदि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर शिक्षण संस्थाओं द्वारा पात्र छात्र/छात्राओं के आवेदन पत्रों को अग्रसारित नहीं किया जाता है, तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बंधित शिक्षण संस्थानों की होगी।

एमएनएनआईटी में आयोजित चार दिवसीय तकनीकी महोत्सव

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। एमएनएनआईटी में आयोजित चार दिवसीय तकनीकी महोत्सव 'आविष्कार-2022' में साइबर क्वेस्ट के चार कार्यक्रमों में पुरस्कार जीतकर अपना परचम लहराने वाले बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र डेनिस थॉमस को 'मिस्टर आविष्कार' की उपाधि दी गई। वहीं, द्वितीय वर्ष की छात्रा मानसी सिंह को 'मिस आविष्कार' की उपाधि मिली। प्रीडिफाइंड हार्डवेयर' के तहत छात्रों ने अपने अपनी परियोजनाओं का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया। 'क्रीडोमेनिया' के तहत सीएसगो और वैलोरंट जैसे ऑनलाइन गेम्स में

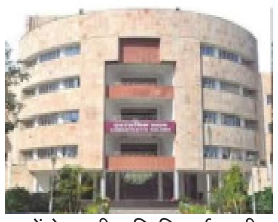

छात्रों ने काफी रुचि दिखाई। तृतीय वर्ष के छात्र धनराज चौरसिया ने 'इलेक्ट्रोमेनिया' में शानदार प्रदर्शन किया। प्रथम शर्मा और उनकी टीम ने 'रसायन' में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि सुमित मिश्रा और दीपेश दूहन ने 'मेक्रोकॉसम' से यह उपलब्धि हासिल की। ओलिगोपॉली' के शिवम प्रहार ने कमाल का प्रदर्शन किया। इसके अलावा 'आविष्कार-2022' का अंतिम दिन तमाम तकनीकी गतिविधियों एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टताओं का साक्षी बना। आविष्कार के संकाय सदस्यों ने महोत्सव के सफल समापन के लिए उत्सव सचिवों के समर्पण की सराहना की। समापन समारोह में छात्र-छात्राएं और समन्वयक मौजूद रहे।

इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई उद्यान आभा तूफान एक्सप्रेस

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। आजाद होने के पहले तूफान एक्सप्रेस ब्रिटिश हुकूमत के समय पहली बार एक जून 1930 को चलाई गई थी। तब यह ट्रेन देश की सबसे लंबी दूरी की प्रमुख ट्रेनों में शामिल थी। हावड़ा से चलने के बाद ट्रेन 45.25 घंटे में श्रीगंगानगर की दूरी तय करती थी। यात्री गण कृपया ध्यान दें, गाड़ी संख्या 13007 तूफान एक्सप्रेस कुछ ही देर में प्लेटफॉर्म संख्या फलां पर आने वाली है। प्रयागराज समेत तमाम रेलवे स्टेशनों पर नौ दशकों से गूंज रही यह आवाज अब नहीं सुनने को मिलेगी। रेलवे ने प्रयागराज के रास्ते हावड़ा से राजस्थान के श्रीगंगानगर को जाने वाली उद्यान आभा तूफान एक्सप्रेस को स्थायी

रूप से बंद कर दिया है। रेलवे की बीते माह लागू हुई नई समय सारिणी में इस ट्रेन को स्थान नहीं दिया गया है। देश आजाद होने के पहले तूफान एक्सप्रेस ब्रिटिश हुकूमत के समय पहली बार एक जून 1930 को चलाई गई थी। तब यह ट्रेन देश की सबसे लंबी दूरी की प्रमुख ट्रेनों में शामिल थी। हावड़ा से चलने के बाद ट्रेन 45.25 घंटे में श्रीगंगानगर की दूरी तय करती थी। लंबी दूरी की ट्रेन होने के बाद भी इसमें सवार होने वाले अधिकतर यात्री स्थानीय ही होते थे। फिलहाल अब तूफान एक्सप्रेस की कहानी इतिहास के पन्नों तक सिमट कर रह गई है। आठ राज्यों से होकर गुजरती थी तूफान एक समय तूफान सुपरफास्ट श्रेणी की ट्रेन में शामिल थी।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सरकारी स्कूल के बच्चो ने कांवेंट को दी कड़ी टक्कर, जीते पांच पुरस्कार

प्राथमिक विद्यालय काकलपुर के चार बच्चो ने जीता पुरस्कार सरकारी विद्यालय में शिक्षा के स्तर को ऊपर उठने का संकेत है बच्चो का पुरस्कार जितना: मुन्ना लाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
हरहुआ/वाराणसी । चांदमारी चिंतन ट्रस्ट के तत्वाधान में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सरकारी विद्यालय के बच्चो ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए कांवेंट के बच्चो को पछाड़ते हुए पांच प्रतिभागियों ने पुरस्कार प्राप्त कर हड़कंप मचा दिया। जी एस पब्लिक स्कूल आयर में जूनियर एवं प्राथमिक स्तर की दो प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राथमिक स्तर की परीक्षा में काजल यादव, आदर्श कुमार राय, शिवम विश्वकर्मा, साक्षी राय चारो प्राइमरी स्कूल काकलपुर, सुचिता यादव प्राथमिक विद्यालय गहनी ने 250 छात्रों में टॉप टेन में स्थान बना कर पुरस्कार प्राप्त किया उद्घाटन। जूनियर वर्ग में सुमित मौर्य प्रथम , मोनी यादव द्वितीय, सौरभ ने तीसरा पुरस्कार जीता। आर्यन पटेल, धर्मेंद्र सिंह यादव, बृजेश यादव, आदिति, आदर्श, आयुष यादव, मांशी मौर्य, कृष्णकांत ग्वाले, अतुल यादव, नितेश पाल को टॉप टेन में सांत्वना पुरस्कार से संतोष करना पड़ा। प्राथमिक वर्ग में आलोक पटेल प्रथम, शेजल कुमारी द्वितीय, अर्चना राय ने तीसरा पुरस्कार जीता। इसके अलावा आदर्श कुमार विश्वकर्मा, प्रियांशु वर्मा, नयनशी प्रजापति, क्षितिज भारद्वाज को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। चिंतन ट्रस्ट के प्रधान न्यासी मुन्नालाल राय ने पुरस्कार देते हुए कहा कि कंपटीशन में सरकारी स्कूल के बच्चो का कांवेंट स्कूल से बेहतर प्रदर्शन सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की गुणवता की प्रगति को दर्शाता है। जो शुभ संकेत है। प्रबंध ट्रस्टी गीता देवी, लवकुश कुमार, कार्यक्रम निर्देशक सुनील गुप्ता, मनोज भारद्वाज, योगेश भारद्वाज, शंभू प्रसाद, सुनील, विकास, सौरभ मिश्रा, दिलीप मिश्रा आदि लोगो ने परीक्षा एवं मूल्यांकन में सहयोग प्रदान किया। संचालन जयप्रकाश एवं आर डी यादव ने किया।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने किया लोकार्पण, बोले- पीएम मोदी ने दिया था सुझाव

(आधुनिक समाचार सेवा)
हरहुआ/वाराणसी । वाराणसी के सिगरा स्टेडियम के पास सौर ऊर्जा से संचालित स्मार्ट बस स्टॉप का

लोकार्पण प्रदेश के नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने किया। स्मार्ट सिटी वाराणसी को पहले स्मार्ट बस स्टॉप की सौगात मिली है। सोमवार को सिगरा स्थित स्मार्ट बस स्टॉप का लोकार्पण प्रदेश के नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि स्मार्ट बस स्टॉप का निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम है। उनके दिशानिर्देश में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड द्वारा सीएसआर पहल के तहत यह काम हुआ। इस प्रयास से न सिर्फ वाराणसी में परिवहन का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा बल्कि स्मार्ट मोबिलिटी को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि स्मार्ट बस स्टॉप का सुझाव पीएम मोदी ने ही दिया था। सिगरा स्टेडियम के गेट नंबर एक के बगल में लोकार्पित स्मार्ट बस स्टॉप सौर ऊर्जा से संचालित है। वाराणसी में बढ़ेगी स्मार्ट बस स्टॉप की संख्या इसमें यात्रियों की सुविधाओं का ख्याल रखा गया है। मोबाइल चार्जिंग की सुविधा के साथ ही कैमरा और लाइट भी लगी है। एलईडी डिस्प्ले बोर्ड लगाया है। बस का इंतजार करने वाले यात्रियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की गई है।

देवगांव थाने में तैनात दरोगा ने दिल्ली में खुद को गोली मार की खुदकुशी विवेचना के लिए गए थे हरियाणा

(आधुनिक समाचार सेवा)
आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली में तैनात एक दरोगा ने रविवार रात

दिल्ली में गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी होते ही आजमगढ़ पुलिस ने उसके परिवार के लोगों को सूचना दी और पुलिस की एक टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई। देवगांव कोतवाली में एसआई के पद पर तैनात मनोज विश्वकर्मा एक मामले की विवेचना करने के लिए हरियाणा गए थे। रविवार शाम वो दिल्ली अपने एक दोस्त के घर पहुंचे। देर रात लगभग एक बजे उन्होंने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर जब लोग कमरे की ओर भागे तो दरवाजा अंदर से बंद था। घटना की जानकारी होने पर दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन कर घटना की जानकारी आजमगढ़ पुलिस को दी। दिल्ली से जानकारी मिलते ही एसआई के परिजनों को इस घटना की जानकारी दी गई। मनोज विश्वकर्मा ने ऐसा आत्मघाती कदम क्यों उठाया, ये स्पष्ट नहीं है। एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि दरोगा मनोज विश्वकर्मा एक केस की विवेचना के लिए हरियाणा गए थे। इसी दौरान मनोज विश्वकर्मा ने अपने दोस्त के घर में खुद को गोली मारकर जान दे दी। आजमगढ़ की पुलिस दिल्ली के लिए रवाना हो गई है।

नवागत एसपी के नेतृत्व में पुलिस ने किया रूट मार्च

(आधुनिक समाचार सेवा)
गाजीपुर। नवागत पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों ने रविवार की देर शाम शहर क्षेत्र में रूट मार्च किया। उन्होंने आमजनों से बातचीत कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया।पदभार ग्रहण करने के दिन ही नवागत एसपी ने शहर कोतवाली का निरीक्षण करने के साथ भ्रमण भी किया। उनके नेतृत्व में पुलिस टीम ने लाल दरवाजा, नखास सहित अन्य इलाकों रूट मार्च किया। एसपी ने स्वंय आमजनों से बात करके शांति एवं सुरक्षा के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर एसपी सिटी गोपीनाथ सोनी, सीओ सिटी गौरव कुमार, शहर कोतवाल टीबी सिंह आदि मौजूद रहे।

तिरंगे में लिपट कर देख तेरा लाल आया है

(आधुनिक समाचार सेवा)
जमानियां। आजादी के बाद प्रथम विधानसभा के विधायक भोला सिंह यादव की पुण्यतिथि पर नगसर विकास परिषद द्वारा ग्राम नगसर नेवाजू राय में शनिवार की रात कवि सम्मेलन का

आयोजन किया गया। इसमें जिले के कवियों ने कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि जगदीश कुशवाहा ने भोला सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण किया। कहा कि वर्तमान समय में कवि सम्मेलन मनोरंजन नहीं बल्कि प्रेरणा और संस्कृति का वाहक है। कवि उत्तम कुमार चौबे ने सरस्वती वंदना की। इसके बाद कवि सुरेश सौरभ के कविता संग्रह 'स्वत्रंत लेखनी की ललकार सुनो' का विमोचन किया। कवि हेमंत उपाध्याय निर्भीक ने 'तिरंगे में लिपट कर देख तेरा लाल आया है, जिसे नालायक कहती थी, वतन के काम आया है' पर दर्शकों की वाहवाही मिली। कवि आनंद कुशवाहा की कविता 'शासन- सत्ता को किसान और व्यापारी ही क्यों चोर नजर आते हैं' पेश की। कवि बुद्ध प्रिय सुरेश सौरभ ने 'निर्धन की बस्तियों में अब वे जाने लगे, लगता है चुनाव आया बरगलाने लगे'को भी सराहा गया। इसके अलावा कवि योगेश त्रिपाठी कवि मिथिलेश गहमरी, अक्षय पाण्डेय, डा. बदरी विशाल, सुनील सुकुमार, विनय राय बबुरंग, अनंत देव पाण्डेय, हेमंत उपाध्याय, गोपाल गौरव, दामोदर दबंग की काव्य रचना लोगो को खूब पसंद आयी। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्कार वंशनारायण सिंह व संचालन कुमार प्रवीण ने किया। इस दौरान विशिष्ठ अतिथि सपा निवर्तमान जिलाध्यक्ष रामधारी सिंह यादव, जिला पंचायत सदस्य धर्मेन्द्र यादव पकालू, कैलाश सिंह, सूबेदार सागर सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंपने की याचिका पर नहीं आया कोर्ट का आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी ।17 को सुनवाई ज्ञानवापी परिसर में हिंदुओं को सौंपने सहित तीन मांगों से संबंधित याचिका पर आज भी कोर्ट का आदेश नहीं आ सका। सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र कुमार पांडेय की अदालत को यह तय करना कि यह मुकदमा सुनवाई योग्य है या नहीं है। संबंधित वाद में फिर एक बार आदेश को अगली तारीख

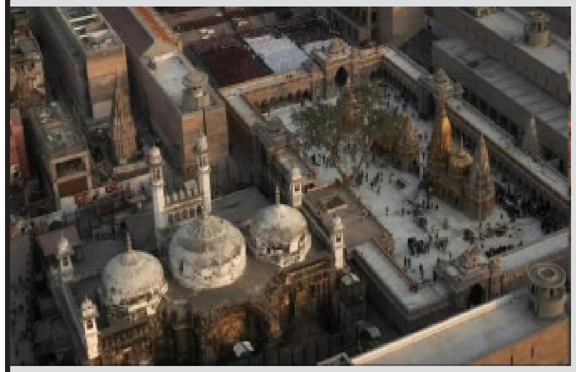

के लिए टाल दिया गया। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 17 नवंबर की तिथि तय की है। इस मामले में बीते 15 अक्तूबर को ही अदालत में दोनों पक्षो की दलीलें पूरी हो गई थीं। तभी से आदेश में पत्रावली लंबित है। इससे पहले इस वाद पर 8 नवंबर को ही आदेश आना था। मगर, कोर्ट के पीठासीन अधिकारी के अवकाश पर होने के कारण 14 नवंबर की तिथि तय कर दी गई थी। अब मामले की सुनवाई अब 17 नवंबर को होगी। क्या हैं वो तीन मांगें इस प्रकरण में वादिनी किरन सिंह की तरफ से मुस्लिमों का प्रवेश वर्जित करने, परिसर हिंदुओं को सौंपने और शिवलिंग की पूजा पाठ राग भोग की अनुमति मांगी गई थी। अदालत में दोनों पक्ष अपनी बहस पूरी कर उसकी लिखित प्रति दाखिल कर चुके हैं। पढ़ें: मिर्जामुराद में चलती ट्रेन से मासूम बच्ची के साथ कूदा पिता, दोनों की मौत, कारण जानकर हैरान हो जाएंगेवादिनी किरन सिंह के अधिवक्ताओं ने दलील में कहा था कि वाद सुनवाई योग्य है या नहीं, इस मुद्दे पर अंजुमन इंतजामिया की तरफ से जो आपत्ति उठाई गई है, वह साक्ष्य व ट्रायल का विषय है। ज्ञानवापी का गुंबद छोड़कर सब कुछ मंदिर का है जब ट्रायल होगा तभी पता चलेगा कि वह मस्जिद है या मंदिर। दीन मोहम्मद के फैसले के जिक्र पर कहा कि कोई हिंदू पक्षकार उस मुकदमे में नहीं था इसलिए हिंदू पक्ष पर लागू नहीं होता है। यह भी दलील दी कि विशेष धर्म स्थल विधेयक 1991 इस वाद में प्रभावी नहीं है। स्ट्रक्चर का पता नहीं कि मंदिर है या मस्जिद। जिसके ट्रायल का अधिकार सिविल कोर्ट को है। कहा कि यह ऐतिहासिक तथ्य है कि औरंगजेब ने मंदिर तोड़ने और मस्जिद बनवाने का आदेश दिया था। वक्फ एक्ट हिन्दू पक्ष पर लागू नहीं होता है। ऐसे में यह वाद सुनवाई योग्य है और अन्जुमन की तरफ से पोषणीयता के बिंदु पर दिया गया आवेदन खारिज होने योग्य है। पढ़ें: पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ बोले- राष्ट्र की सुरक्षा के लिए त्याग और समर्पण का होना जरूरी हिंदू पक्ष के अधिवक्ताओं ने दलीलें रखी थी कि राइट टू प्रॉपर्टी के तहत देवता को अपनी प्रॉपर्टी पाने का मौलिक अधिकार है। ऐसे में नाबालिग होने के कारण वाद मित्र के जरिये यह वाद दाखिल किया गया है। भगवान की प्रॉपर्टी है, तब माइनर मानते हुए वाद मित्र के जरिये क्लेम किया जा सकता है। स्वीकृति से मालिकाना हक हासिल नहीं होता है। यह बताना पड़ेगा कि संपत्ति कहां से और कैसे मिली। अदालत में वाद के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट की 6 रूलिंग और संविधान का हवाला भी दिया गया। वहीं मुस्लिम पक्ष यानि अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की तरफ से मुमताज अहमद, तौहीद खान, रईस अहमद, मिराजुद्दीन खान और एखलाक खान ने कोर्ट में प्रतिउत्तर में सवाल उठाते हुए कहा था कि एक तरफ कहा जा रहा है कि वाद देवता की तरफ से दाखिल है। वहीं दूसरी तरफ पब्लिक से जुड़े लोग भी इस वाद में शामिल हैं। यह वाद किस बात पर आधारित है, इसका कोई पेपर दाखिल नहीं किया गया है और कोई सबूत नहीं है। कहानी से कोर्ट नहीं चलती, कहानी और इतिहास में फर्क है। जो इतिहास है वही लिखा जाएगा।

गाजीपुर में दोहरा हत्याकांड: घर में सो रही मां-बेटी की गला दबाकर हत्या, गांव में मातमी सन्नाटा पसरा

(आधुनिक समाचार सेवा)
गाजीपुर। गाजीपुर जिले के मुहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के कठऊत गांव में बीती रात मां-बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। वारदात का कारण साफ नहीं है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। मुहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के कठऊत गांव में बीती रात किसी समय घर में सो रही मां-बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। सोमवार अलसुबह घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वारदात का कारण साफ नहीं है। आईजी रेंज वाराणसी के. सत्यनारायण और जिले के नवागत एसपी ओमवीर सिंह ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ परिजनों से पूछताछ की। इधर, परिजनों के रोने बिलखने से गांव में मातमी सन्नाटा पसरा गया। कठऊत गांव निवासी कौशल्या देवी (70) और विवाहित पुत्री मालती देवी (35) रविवार रात घर में अकेली थी। जबकि पुत्र गौरी राजभर निमंत्रण पर किसी दूसरे गांव गया था। कमरे के बाहर पड़ा था मां-बेटी का शव सोमवार अलसुबह जब वो घर पहुंचा तो देखा कि कमरे के बाहर मां कौशल्या और बहन मालती का शव पड़ा हुआ है। दोनों के मुंह से खून आने के निशान थे। शोर मचाने पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। मां-बेटी की हत्या की खबर से गांव में सनसनी फैल गई।इधर, सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। शवों को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद परिजनों एवं ग्रामीणों से भी पूछताछ की। वाराणसी रेंज के आईजी के.

सत्यनारायण और जिले के नवागत एसपी ओमवीर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और जायजा लिया। उन्होंने पुलिस को दोहरे हत्याकांड का पर्दाफाश करने का निर्देश दिया। कोतवाल अशोक मिश्र ने बताया कि हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हैं। जल्द ही दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया जाएगा। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

सीधे प्रवेश

100% Placement

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

- प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
- हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

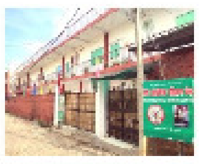

- कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
- डेटा इंट्री आपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशियन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्टिक मैकैनिक

फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा में बैठे 1543 छात्र-छात्राएं

(आधुनिक समाचार सेवा)
गाजीपुर। जिनके हौसलों में उड़ान है, उनके लिए सारा आसमान है इस बात का जज्बा रविवार को शहर के छावनी लाइन स्थित आदर्श बौद्ध इंटर कालेज में देखने को

मिला। मौका था अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से आयोजित अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा का। कड़ी सुरक्षा के बीच कराई गई परीक्षा में कुल पंजीकृत 2155 परीक्षार्थियों में 1543 उपस्थित थे। अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए कक्षा-नौ, 10, 11 एवं 12 के छात्रों ने आवेदन किया था। एक पाली में 2155 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे। सुबह नौ बजे से केंद्र पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। 10 बजते ही मुख्य द्वार पर तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। परिसर में लगे बोर्ड पर अनुक्रमांक देखने के बाद परीक्षार्थी निर्धारित कक्षों में गए। निर्धारित समय पर कक्ष निरीक्षकों की तरफ से उन्हें प्रश्नपत्र एवं ओएमआर शीट उपलब्ध कराई गई। परीक्षा शुरू होने के कुछ देर बाद ही पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक नगर गोपीनाथ सोनी ने विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर परीक्षा का जायजा लिया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश पांडेय भी थे। केंद्र के 24 कक्षों में आयोजित परीक्षा में 1543 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे जबकि 612 ने परीक्षा नहीं दी। करीब डेढ़ घंटे तक चली परीक्षा संपन्न होने के बाद कक्ष निरीक्षकों की तरफ से ओएमआर शीट की गणना कर उसे जमा किया गया। परीक्षा में विद्यालय के मिथिलेश पांडेय, प्रभुनाथ राय, पप्पू सिंह, अचलेंद्र कुमार सिंह, सतीश सिंह, शोभा देवी, मंजूश्री, अमरनाथ यादव का सहयोग रहा। सुरक्षा के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक शहर कोतवाली टीबी सिंह, संपूर्णानंद राय, सुरेंद्रनाथ सिंह के साथ बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी मौजूद थे।

धूमधाम से संपन्न हुई चित्रकला प्रतियोगिता

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/सोनभद्र। आज रविवार सुबह स्थानीय रामलीला मैदान परिसर में बाल दिवस के उपलक्ष में डाला नवनिर्माण सेना के द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे नगर के अधिकतर प्राइवेट व सरकारी स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। इस दौरान कक्षा 1 से लेकर 12 तक के कुल 435 बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डाला नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अमृत कुमार पटेल उर्फ़ अंशु पटेल ने किया। इस दौरान कक्षा 1 से लेकर के 5 तक और कक्षा 5 से लेकर के कक्षा 12 तक के कुल 9 छात्र छात्राओं को प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान में प्रतियोगिता के अगले दिन बाल दिवस के अवसर पर इसी स्थान पे पुरस्कृत किया जाएगा।इस दौरान नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल ने बताया कि नगर के सभी बच्चों में खेल और कला की प्रतिभा को संवारने व निखारने के लिए निरंतर नवनिर्माण सेना द्वारा सृजनात्मक आयोजन व प्रतियोगिताएं निरंतर कराई जाती रही हैं। क्योंकि एक सभ्य व विकासशील समाज के लिए प्रतिभावान और हुनरमंद पीढ़ी का होना अतिआवश्यक है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में चंदन चित्रकार व नगर के प्रबुद्ध शिक्षकगण बसंत सिंह,सर्वेश पटेल,अनीश

पांडे,त्रिलोकी पांडे,विवेक सिन्हा व अब्दुल जी रहे। कार्यक्रम का संचालन नवनिर्माण सेना के महामंत्री प्रशांत पाल ने किया। इस दौरान नवनिर्माण सेना के संरक्षक व छात्र संघ के पूर्व महामंत्री अनिकेत श्रीवास्तव,महामंत्री अवनीश पांडे,गोविंद भारद्वाज,राकेश राय, करन,योगेश शुक्ला,राकेश पासवान,राकेश जायसवाल(बच्चा),इस्लाम खान,विक्की गुप्ता,अमित मिश्रा,विवेक सिन्हा,विजय गुप्ता,अक्षय खरवार,आशीष कश्यप,विकास जैन,शुभम विश्वकर्मा,गौतम भारद्वाज,अरविंद भारद्वाज,आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी जिले को देंगे 575 करोड़ की सौगात

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। बभनी के सेवाकुंज आश्रम में आयोजित जनजाति गौरव दिवस पर कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे मुख्यमंत्री जिले को 575 करोड़ की विकास परियोजनाओं का तोहफा देंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों की 195.80 करोड़ की 56 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। वहीं 379.63 करोड़ की 177 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। लोकार्पित होने वाली परियोजनाओं में एकलव्य विद्यालय के अलावा स्वास्थ्य विभाग की एक, आरआईडीएफ की छह, जिला खनिज फाउंडेशन की छह, त्वरित आर्थिक विकास योजना की 10, पीएमजीएसवाई की 25, कृषि विभाग की 2, जनजाति कल्याण विभाग की एक, पशुधन विभाग की एक, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन योजना के तहत तीन, यूपीएसआरएलएम की एक परियोजना शामिल है। वहीं जिला खनिल फाउंडेशन की 151, पीएमजीएसवाई की 17, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बेसिक शिक्षा विभाग की एक, साडा की दो परियोजनाओं का शिलान्यास होगा एडीजी, कमिश्नर, डीआईजी ने डाला डेरा, आज आएंगे मुख्यमंत्री बभनी। जनजाति गौरव दिवस पर मंगलवार को सेवाकुंज आश्रम चपकी में मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर तैयारियों को सोमवार की देर शाम अंतिम रूप दिया गया। एडीजी रामकुमार, मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र, डीआईजी आरपी सिंह ने चपकी पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। हेलीपेड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा की बारीकि से जांच की। अफसरों ने मुख्य मंच, हेलीपेड स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, वीआईपी स्थान, प्रतिमा स्थापित स्थल, प्रेस मीडिया स्थल, बैरिकेटिंग, वाहनों के आवागमन, वाहन पार्किंग, साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। जिम्मेदार संबंधित अधिकारियों को दायित्वबोध कराते हुए ड्यूटी के प्रति मुस्तैद रहने की हिदायत दी। पीएब्लूडी के एक्सईएन को हेलीपैड स्थल पर सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कार्यक्रम स्थल पर लगने वाली प्रदर्शनी और स्टॉल का भी अवलोकन किया। अफसरों ने कहा कि सभी विभाग आपस में समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएं। निरीक्षण के दौरान डीएम चंद्र विजय सिंह, एसपी डॉ. यशवीर सिंह, सीडीओ सौरभ गंगवार, एडीएम सहदेव कुमार मिश्र, आशुतोष मिश्र, एसडीएम रमेश कुमार, शैलेंद्र मिश्र आदि मौजूद रहे। काले कपड़े पहनकर आने वालों को प्रवेश नहीं बभनी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पुलिस अलर्ट है। एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने मातहतों को काले कपड़े, मास्क, स्कार्फ, पहन कर आने वालों को पंडाल में प्रवेश पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। कार्यक्रम स्थल पर सादे कपड़े में तैनात फोर्स की अराजकतत्वों पर पैनी नजर रहेगी। सीएम की देखभाल के लिए तैनात रहेगी स्वास्थ्य टीम सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को देखते हुए स्वास्थ्य टीम गठित की गई है। सीएमओ ने हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक छह स्थानों पर 21 डॉक्टर समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई है। हेलीपैड चपकी पर डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, फ्लीट पर डॉ. सीएल गुप्ता, डॉ. अश्वनी कुमार, सेफ हाउस स्थल पर डॉ. प्रशांत पाल और कार्यक्रम स्थल पर डॉ. रामकुंवर की अगुवाई में टीम गठित की गई है।

लाइनमैनों द्वारा की जा रही अवैध वसूली से उपभोक्ताओं की कमर टूट गयी है

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/सोनभद्र। जवारीडाड़ विद्युत सब-स्टेशन में तैनात लाइनमैनों द्वारा की जा रही अवैध वसूली से उपभोक्ताओं की कमर टूट गयी है। हालात यह है कि विद्युत उपभोक्ताओं को फॉल्ट ठीक कराने पर ज्यादा धनराशि प्रतिमाह चुकाना उपभोक्ताओं की मजबूरी बन गयी है। गरीब उपभोक्ता सुविधा शुल्क के अभाव में अंधेरे में गुजारा करने को मजबूर हैं। लाइनमैनों की मनमानी के चलते कभी-कभी तो पूरा क्षेत्र ही अंधेरे में डूबा रहता है। जवारीडाड़ सब स्टेशन से पूरे क्षेत्र विद्युत आपूर्ति दी जाती है। जहाँ गुरमुरा में नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप एक 16 केबी का ट्रांसफार्मर लगाया गया है जिसमें वैध अवैध लगभग पचास से ऊपर कनेक्शन दिए गए हैं जिसके कारण आये दिन क्षेत्र में फॉल्ट होने और लाइन टूटने की समस्या होती रहती है। लाइनमैन कभी भी विद्युत सब-स्टेशन पर दिखाई नहीं देते। दिन में लाइन टूटने की समस्या होने पर उसे दुरूस्त कर दिया जाता है। जिसके लिये विद्युत उपभोक्ताओं को अपनी जेब ढीली करनी पड़ती है। ऐसा न करने पर विद्युत उपभोक्ताओं को बिना बिजली के गुजारा करना पड़ता है। रात्रि में फाल्ट होने पर कोई भी लाइनमैन विद्युत सब-स्टेशन पर नहीं मिलता। लाइनमैनों के फोन पर घंटी करने पर पता लगता है कि उन्होंने फोन स्विच ऑफ कर रखा है। जिसके चलते विद्युत उपभोक्ताओं की लाइन ठीक नहीं हो पाती है। विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा बताया गया कि विद्युत सब-स्टेशन पर तैनात लाइनमैनों के हौसले इतने बुलंद है कि दिन में भी बिना पैसा काम नहीं होता जबकि रात्रि में तो विद्युत सब-स्टेशन भगवान भरोसे ही रहता है। कभी-कभी रात्रि में फॉल्ट होने पर पूरी रात पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहता है।

चालक का अपहरण कर बोलेरो लूटने में पांच गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर । जौनपुर से बोलेरो बुक कर चालक का अपहरण करने वाले पांच लोगों को लालगंज पुलिस ने रविवार को अतरौला टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने पांचों के पास से तीन तमंचा, चार कारतूस और एक चाकू बरामद किया। इस मामले का खुलासा एसपी संतोष मिश्रा ने सोमवार को पुलिस लाइन में किया। उन्होंने बताया कि जौनपुर जिले के थाना सुजानगंज के हरिपुर निवासी दुर्गा प्रसाद दुबे की बोलेरो को 12 नवंबर को पांच लोगों ने घर आकर प्रसव से पीड़ित महिला को अस्पताल ले जाने के लिए बुक किया। उनका रास्ते में अपहरण कर बोलेरो लूट लिया। बोलेरो चालक की पत्नी ने जौनपुर के सुजानगंज थाने में पति के अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था।लालगंज थाना प्रभारी राम नारायण राम शनिवार की रात गश्त पर थे। इस दौरान सूचना मिली कि अतरौली राजा टोल प्लाजा के पास सफेद रंग की बोलेरो में संदिग्ध लोग सवार हैं। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर गाड़ी रोकने का प्रयास किया तो बोलेरो चालक द्वारा वाहन को तेज गति से बढ़ाकर पुलिस टीम को कुचलने का प्रयास किया गया। जिसके बाद पीछा कर पुलिस ने वाहन को रोक लिया। इसके बाद पुलिस ने वाहन में सवार पांच लोगों को हिरासत में ले लिया उन्होंने बताया कि गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसमें मध्य सीट के नीचे खून से लथपथ व गमछे से मुंह बंधा हुआ एक व्यक्ति मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया। उसने अपना नाम दुर्गा प्रसाद दुबे निवासी हरिपुर सुजानगंज जिला जौनुपर बताया। पूछने पर बताया कि वह गाड़ी का मालिक है। गाड़ी बुक करने वालों ने रास्ते में अचानक गाड़ी रोकवाकर सिर पर तमंचे के मुठिया से मारकर घायल कर दिया। उसका मोबाइल फोन लेकर स्विच आफ कर दिया। पुलिस ने चालक के अपहरण और बोलेरो लूट के पांच आरोपियों सूरज निवासी लोहरिया थाना महराजगंज जौनपुर, अनुराग चतुर्वेदी उर्फ भोदू निवासी बरहूपुर, संदीप बिंद निवासी गोनालपुर, कृष्णकांत पांडेय निवासी लोहरियाव और विनोद उर्फ नेता निवासी कोपा थाना आसपुर देवसरा प्रतापगढ़ को जेल भेज दिया।

हर वार्ड और नगर पंचायत अध्यक्ष जब भाजपा का होगा तो नगर का होगा चौमुखी विकास-संतोष शुक्ला

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/सोनभद्र। स्थानीय नगर के डाला वार्ड नं 1 के धौठा टोला में भाजपा ने वार्ड नं 1 व 8 की संयुक्त

बैठक आहूत की,जिसमें वार्ड अध्यक्ष महामंत्री और प्रभारी सहित वार्ड के तमाम लोग उपस्थित रहे, बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष दीपक दुबे व मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नगर चुनाव प्रभारी संतोष शुक्ला उपस्थित रहे , कार्यक्रम में सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय व पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सामने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ,संबोधन करते हुए मंडल अध्यक्ष दीपक दुबे ने कहा की नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में विकासपरक कार्य हुए हैं जिसमें नाली, खड़ंजा ,सड़क निर्माण ,स्ट्रीट लाइट ,पुलिया ,रपटा केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं आवास, शौचालय ,आयुष्मान भारत कार्ड, किसान सम्मान निधि ,उज्जवला योजना, गरीब कल्याण योजना के तहत निशुल्क खाद्यान्न वितरण का लाभ लोगों को मिला है उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व ने प्रदेश में गुंडाराज माफिया राज को समाप्त करके शांति व्यवस्था कायम हुआ है भाजपा के चुनाव जीतने के बाद आपके नगर में चहुंमुखी विकास होगा, वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आए संतोष शुक्ला जी ने कहा पिछले 70 वर्षों में महिलाओं को सम्मान मिला तो नरेंद्र मोदी की सरकार में युवाओं को रोजगार मुद्रा लोन के माध्यम से रोजगार के अवसर प्राप्त हुए ऐसे ही विकास परियोजनाएं हर घर तक पहुंचेंगी जब हर वार्ड में और नगर पंचायत अध्यक्ष की सीट पर भाजपा का प्रतिनिधि जब चुनकर आएगा इस अवसर पर मंडल महामंत्री एवं चुनाव संयोजक संदीप सिंह पटेल, संतोष सिंह बबलू,गिरीश तिवारी,ओम प्रकाश शर्मा, सुभाष पाल, मुकेश जैन,धीरेंद्रप्रताप सिंह, मनीष तिवारी , हिमांशु बिंद ,विकास पासवान ,विमल विश्वकर्मा ,अविनाश कुमार रजत, विशाल गुप्ता, रिशु केसरी, विकास जैन, दिनेश जयसवाल, राजेश पटेल, जंगी मास्टर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन मंडल उपाध्यक्ष मनीष तिवारी द्वारा किया गया ।

घर में घुसे बदमाशों तमंचे के बल पर लूट की घटना को दिया अंजाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर । चुनार क्षेत्र के वाराणसी-मिर्जापुर राजमार्ग पर सझौली गांव स्थित पेट्रोल पंप मालिक अशोक सिंह के घर में रविवार की रात घुसे हौसला बुलंद बदमाश असलहा दिखाकर लाखों रुपये के जेवरात उठा ले गए। के लिए बाहर आए कि लाइट कैसे बंद हुई तो बदमाशों ने तमंचे की मुठिया से मार कर उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद उन्हें व पत्नी को बंधक बनाकर आलमारी में रखे सोने के आभूषण लूटकर भाग गए। इसके बाद किसी तरह उन्होंने पुलिस और पेट्रोल पंप पर

सोमवार को सुबह पीड़ित ने तहरीर देकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। तहरीर मिलने के बाद देर शाम तक एसओजी और सर्विलांस टीम जांच पड़ताल में जुटी रही। सझौली गांव निवासी अशोक कुमार सिंह का राजमार्ग पर पेट्रोल पंप है। पेट्रोल पंप से करीब 100 मीटर दूरी पर घर है। अशोक का आरोप है कि वे रविवार को देर रात भोजन करने के बाद पत्नी कृष्णावती सिंह के साथ घर के अंदर हाल में थे। इसी बीच मेन गेट से पांच-छह बदमाशों उनके घर में घुसकर बाहर की लाइट बंद कर दिया। इस बीच जब देखने अपने कर्मियों को घटना की सूचना दी। भुक्तभोगी ने बताया कि बदमाशों ने उनका मोबाइल फोन भी पीछे की तरफ खेत में फेंक दिया था। प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी लाल सेन ने मौके का मुआयना किया। सोमवार को दोपहर में फोरेंसिक टीम व डॉग स्क्वायड ने भी मौके की छानबीन की। पीड़ित ने बताया कि बदमाश अंगूठी, चेन, कान के टप्स आदि सोने के आभूषण लूट ले गए। प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी लाल सेन ने बताया घटना के संबंध में तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

डीएनए टेस्ट से खुला दो वर्ष पुरानी हत्या की घटना का राज

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर । पड़री थाना क्षेत्र के बरजी मुकुंदपुर स्थित तालाब में हत्या कर बोरे में बांध कर शव फेंके जाने के

मामले का पुलिस ने दो वर्ष बाद पर्दाफाश करने का दावा किया है। डीएनए टेस्ट से दो वर्ष पुराने हत्या की घटना का पर्दाफाश हुआ है। मृतक की पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या करा दी थी। पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष माधव सिंह के अनुसार 24 सितंबर 2020 को पड़री थाना क्षेत्र के बरजी मुकुंदपुर के तालाब में एक व्यक्ति की हत्या कर बोरे में बांध कर शव फेंके जाने के मामले में ग्राम चौकीदार जयप्रकाश ने तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। किया। उन्होंने बताया कि वे इस मामले की जांच में जुटे थे। इस बीच पड़री थाने की पुलिस ने छानबीन कर साक्ष्य इकट्ठा किया। छानबीन में मृतक की शिनाख्त आदित्य कुमार उर्फ डोले पुत्र स्व.मेढीलाल निवासी भरमोहनी थाना भदोही जनपद भदोही के रूप में हुई। सीओ सदर शैलेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि दो वर्ष पहले तालाब में शव मिला था। जिसकी छानबीन कर शिनाख्त की गई। मृतक के भाई ने शव की शिनाख्त की, परंतु पत्नी चंदा देवी ने शिनाख्त करने से इंकार कर दिया। इससे बाद शक हुआ। मामले की सत्यता जानने के लिए डीएनए टेस्ट कराया गया। डीएनए टेस्ट से पता चला कि मृतक आदित्य कुमार चंदा देवी का पति है। इसके बाद छानबीन की गई। छानबीन में यह तथ्य प्रकाश में आया कि आदित्य की पत्नी चंदा देवी ने अपने प्रेमी सोनू निवासी बनकट थाना सुरियावां जनपद भदोही व अन्य के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की थी। सोमवार थानाध्यक्ष माधव सिंह ने आरोपी पत्नी चंदा देवी और उसके प्रेमी सोनू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बाल दिवस पर याद किए गए नेहरू

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर । जिले में सोमवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में मनाई गई। कई

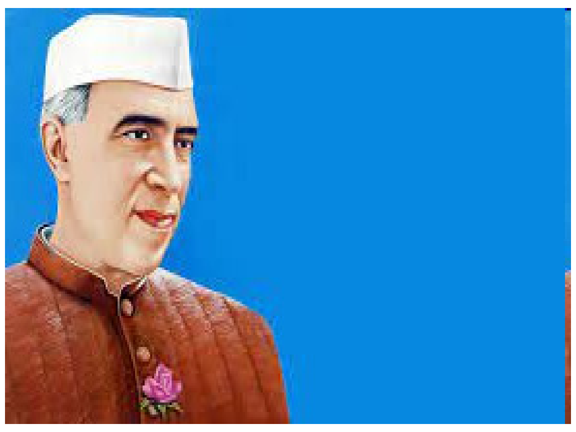

जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। कुछ स्थानों पर बाल मेला का आयोजन हुआ। बच्चों ने इन कार्यक्रमों का खूब आनंद उठाया। नगर के सुंदरघाट स्थित एमएसए डाल्फिन पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने स्टाल लगाकर बिक्री करने का भी आनंद लिया। विद्यालय के प्रबंधक एमएस आजम, प्रधानाचार्य तलत आजम व अन्य लोग मौजूद थे राजकीय इंटर कॉलेज परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय में बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बाल मेला का आयोजन हुआ। प्राचार्य रुपाली परिहार व अन्य लोग मौजूद थे। मुसफ्फरगंज स्थित जेसी बाल मंदिर में बाल मेला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस रहीं। प्रबंधक धरमपाल सिंह, गोपालदास टंडन, मनीष अग्रवाल, मनीष पांडेय आदि मौजूद थे। प्रधानाचार्य कमला जौहरी ने आभार जताया। संचालन सोनी चौरसिया ने किया। भरूहना स्थित देलही पब्लिक सेकेंडरी स्कूल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। चेयरमैन रमेश तिवारी, प्रधानाचार्य संतोष दुबे व अन्य लोग थे। हुरुआ स्थित सनबीम स्कूल परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक, प्रधानाचार्य अशोक कुमार द्विवेदी, देवेंद्र, शैलेश, संगीता मिश्रा, दीक्षा आदि मौजूद थे। नगर के तिवराने टोला स्थित गुड मार्निंग स्कूल में बाल मेला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर विधायक रत्नाकर मिश्र रहे। ओमप्रकाश उपाध्याय, विंध्यवासिनी प्रसाद, प्रधानाचार्य सावित्री पांडेय, संदर्भ पांडेय, इमरान खां, साकेत पांडेय, आरती गुप्ता आदि मौजूद रहीं। संचालन सलिल पांडेय ने किया।

जनजाति संग्रहालय के लिए केंद्रीय मंत्री ने लिखा पत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री एवं सांसद अनुप्रिया पटेल ने जनजातीय गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को जिले में जनजाति संग्रहालय की स्थापना के लिए पर्यटन मंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराकर केंद्र सरकार को भेजने के लिए उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को पत्र लिखकर अनुरोध किया है। इससे पहले सांसद ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी पांच मई को एक प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने बताया कि मिर्जापुर कोल, बियार, गोंड आदि आदिवासी समुदाय प्रधान क्षेत्र है। इस संबंध में नवंबर 2021 में तत्कालीन समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री ने भी मिर्जापुर में जनजाति संग्रहालय की स्थापना की घोषणा की थी। इस प्रस्ताव पर संस्कृति मंत्रालय की ओर से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाना अपेक्षित है। जिले में जनजाति संग्रहालय की स्थापना के लिए 22 दिसंबर 2021 को तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा मड़िहान में 4.046 हेक्टेयर भूमि आवंटित की जा चुकी है।

यहां दिव्यांगों के लिए लगा जांच शिविर ही ‘दिव्यांग’

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। जिला मुख्यालय स्थित सीएमओ कार्यालय में प्रत्येक सोमवार को लगने वाला दिव्यांग जांच शिविर लंबे समय से दुर्व्यवस्था का शिकार है। सोमवार को दूरदराज से आने वाले दिव्यांगों को मायूस होना पड़ा। दोपहर पौने तीन बजे तक दिव्यांग नेत्र चिकित्सक के आने का इंतजार करते रहे। वहीं आंख, कान और नाक के चिकित्सक के शिविर में तैनाती न होने से कइयों को वापस लौटना पड़ा। दिव्यांगता का प्रमाण पत्र बनाने के लिए सीएमओ कार्यालय में प्रत्येक सोमवार को कोन, दुद्धी, अनपरा, म्योरपुर, घोरावल, नगवां सहित जिलेभर के दूर दराज से दिव्यांग आते हैं। यहां कुछ को नया प्रमाण पत्र जारी कराना होता है तो किसी को पुराने प्रमाण पत्र का नवीनीकरण करना होता है। इस काम के लिए उनकी तीन स्तरों पर जांच होती है। जांच के बाद चिकित्सकों की रिपोर्ट के आधार पर प्रमाण पत्र बनाया जाता है। इसके लिए एक-एक फिजीशियन, हड्डी, आंख, नाक-कान-गला के चिकित्सक की ड्यूटी लगाई जाती है दिव्यांग तो इस कार्यालय पर सात बजे से ही आकर लाइन लगा लेते हैं, लेकिन उन्हें तब मायूसी का सामना करना पड़ता है जब देर तक इंतजार के बाद चिकित्सक नहीं आते। सोमवार को जाता है। वहीं सुबह करीब दस बजे से शुरू होने वाले जांच शिविर में दोपहर पौने तीन बजे तक आंख के विशेषज्ञ नहीं पहुंचे। हालांकि तीन

शिविर में दूरदराज से करीब दो सौ दिव्यांग सीएमओ कार्यालय पहुंचे। यहां तो लोगों के बैठने का इंतजाम बेहतर है, मगर सुविधाओं के अभाव में ये शिविर खुद विकलांग है। सोमवार को शिविर दोपहर पौने तीन बजे तक महज हड्डी के चिकित्सक के सहारे संचालित मिला। नाक-कान गला का कोई चिकित्सक यहां शिविर में नहीं आता। स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार ईएनटी चिकित्सक ना होने के कारण लोगों को मिर्जापुर भेजा बजे के बाद पहुंचे आंख के एक चिकित्सक ने प्रमाण पत्र के लिए जांच शुरू किया। ऐसे में सुबह से आए भूखे-प्यासे रहकर तीमारदार चिकित्सक के आने का इंतजार करते रहे। यहां हर सोमवार को प्रमाण पत्र के लिए आने वालों में से करीब आधे को निराशा ही हाथ लगती ह केस एक : कोन निवासी ईद मोहम्मद ने बताया कि वे सरकारी योजना के लाभ के लिए अपने नेत्रहीन पुत्र मो. सईद के प्रमाण पत्र के लिए दूसरी बार आए हैं।

पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज ने कहा- हम फाइनल खेल गए यह बहुत बड़ी बात है, जीतना डिजर्व नहीं करते थे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मेलबर्न में खेले गए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराकर दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। इस मैच में इंग्लैंड के सामने 138 रन का लक्ष्य पर उनके टीम के पूर्व गेंदबाज ने अपनी टीम को लेकर ऐसी प्रतिक्रिया दी है जिससे वहां के फैंस खुश नहीं होंगे। दरअसल एक टीवी डिबेट के दौरान पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा है कि ठपाकिस्तान टीम फाइनल जीतना इंटेंट अच्छा था लेकिन इंटेंट के साथ सेंस का होना भी जरूरी है। वह आए और आदिल रशीद की पहली ही गेंद को हिट करने की कोशिश कर रहे थे। टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का सफर टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के सफर

था जो उसने 1 ओवर पहले 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस हार के साथ ही पाकिस्तान फैंस की वो सारी उम्मीदें भी टूट गई जो मैच से पहले वह अपनी टीम से लगाकर बैठे थे। फैंस को उम्मीद थी कि टीम 1992 की जीत को एकबार फिर से रिपीट करेगी और वर्ल्ड चैंपियन बनेगी लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। पाकिस्तान ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए जिसका खामियाजा उन्हें हार के साथ भुगतना पड़ा।पाकिस्तान की हार डिजर्व नहीं करती थी। उन्होंने कहा कि हम फाइनल तक पहुंच पाए यही बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हम फाइनल में पहुंचे सारी दुनिया को पता है, बस पहुंच गए हम; अल्लाह ने पहुंचा दिया। उन्होंने पाकिस्तान के बल्लेबाजों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आप इस टूर्नामेंट में सबकी परफॉर्मेंस तो निकालें। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से पता था कि सिडनी के बाहर टीम का यही हाल होगा। उन्होंने मोहम्मद हारिस को लेकर कहा कि उनका को देखें तो कुछ हद तक आमिर की बात सही भी लगती है क्योंकि शुरुआती दो मैच हारने के बाद टीम के टूर्नामेंट से बाहर निकलने की चर्चा होने लगी थी लेकिन फिर लगातार तीन जीत और नीदरलैंड के उलटफेर ने उन्हें नाटकीय तरीके से सेमीफाइनल तक पहुंचा दिया। सेमीफाइनल में उन्होंने न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया था। फाइनल मुकाबले में उसे इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

फाइनल मुकाबले में पाकिस्तानी फैन ने गुस्से में दिया ऐसा रिएक्शन, याद दिला दी विश्व कप 2019

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 5 विकेट से मात दे दी। फाइनल मैच में इंग्लैंड का सामना पाकिस्तान की टीम के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर हुआ। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। एक पाकिस्तान फैन ने दिलचस्प प्रतिक्रिया दी। दरअसल, इस फैन ने जिस तरह की प्रतिक्रियी दी, उसने साल 2019 (वनडे) वर्ल्ड कप मे वायरल हुए एक पाकिस्तानी शख्स की याद दिला दी। साल 2019 के एकदिवसीय विश्व कप में पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान, जब आसिफ अली ने डेविड वार्नर का कैच छोड़ दिया था था,

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के सामने 138 रन का लक्ष्य दिया था। इस टारगेट को इंग्लैंड ने 19 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस मैच के बाद सोशल मीडिया पर मीम्स खूब वायरल हो रही है, जिसमें पाकिस्तान के दो फैंस का एक फोटो कोलाज बनाया गया है।बता दें कि इस मैच की पहली पारी के 19वें ओवर के दौरान, जब सैम कुरन ने मोहम्मद नवाज का विकेट लिया, तो स्टेडियम में मौजूद तो एक पाकिस्तानी फैन ने अगल अंदाज में नाराजगी जाहिर की थी। गौरतलब है कि उनके चेहरे के हाव-भाव सोशल मीडिया पर वायरल मीम बन गया। बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद हारिस, शान मसूद, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, हारिस रऊफ, शाहीन अफरीदी।

युवराज जैसा कमाल बेन स्टोक्स ने अपनी टीम के लिए किया, शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को बनाया चैंपियन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विश्व कप टूर्नामेंट में इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स ने एक बार फिर महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। बेन स्टोक्स ने न सिर्फ रन बनाए, बल्कि एक छोर संभालते हुए टीम को जीत तक लेकर गए। इससे पहले ऐसा ही कुछ 2019 के दिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की भी खराब शुरुआत हुई। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने जल्दी विकेट लेकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। ऐसे में क्रीज पर आए बेन स्टोक्स ने एक छोर संभाले रखा और धीरे-धीरे स्कोर बोर्ड को धीरे-धीरे बढ़ाते रहे। अहमद करने आए। इस ओवर में स्टोक्स ने एक चौका और छक्का लगाकर इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दिया। इस ओवर के बाद इंग्लैंड को 24 गेंद में 28 रन चाहिए थे जीत के लिए और अंत में स्टोक्स ने फिनिशिंग टच दिया। बात दें कि युवराज सिंह ने भारत को दो विश्व

एकदिवसीय विश्व कप में किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए फाइनल मैच में बेन स्टोक्स ने 98 गेंद पर नाबाद 84 रन बनाए थे और इंग्लैंड को विश्व विजेता बनाया था। ऐसा ही कुछ भारत के लिए युवराज सिंह ने 2007 टी20 विश्व कप और 2011 के एकदिवसीय विश्व कप में किया था। बात करें फाइनल मैच की तो जॉस बटलर के टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। सैम करन और आदिल रशीद की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत एमसीजी में पाकिस्तान को 8 विकेट पर 137 रन पर रोक जब इंग्लैंड को 30 गेंद पर 41 रन की जरुत थी तो स्टोक्स ने बड़े शॉट खेलते हुए टीम के ऊपर दबाव खत्म किया। इसमें मोईन अली ने भी साथ दिया। एक समय पाकिस्तान के गेंदबाज इंग्लैंड पर हावी हो गए थे। 13वें ओवर में शाहीन ने हैरी ब्रूक को का एक शानदार कैच पकड़ा। हालांकि, इस दौरान उनके घुटने में चोट लग गई। 16 वें ओवर में सिर्फ एक गेंद फेंकने के बाद अफरीदी मैदान से बाहर चले गए। शाहीन के बाहर जाने पर उनकी जगह बॉलिंग करने आए बाएं हाथ के स्पिनर इफ्तिखार कप जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 2007 में युवराज सिंह ने बेहतरीन प्रर्दशन किया था। सेमीफाइल मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की पिटाई करते हुए 30 गेंदों में 70 रन ठोके थे। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ खेला गया वो मैच कौन भूल सकता है, जिसमें युवराज ने ब्राड को 6 छक्के मारे थे। 2011 के एकदिवसीय विश्व कप में भी युवराज सिंह ने बल्ले और गेंदबाजी से योगदान दिया था और युवी, मैन ऑफ द टूर्नामेंट बने थे।

टी20 वर्ल्ड कप 2022 में सैम कुर्रन ने अपनी गेंदबाजी से विराट कोहली का यह सबसे बड़ा रिकार्ड किया ध्वस्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विराट कोहली टी20 वर्ल्ड कप 2022 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में पहले स्थान पर रहे। इस टूर्नामेंट के लिए आइसीसी ने विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव समेत कुछ अन्य खिलाड़ियों को प्लेयर आफ द टूर्नामेंट के लिए फाइनल से पहले

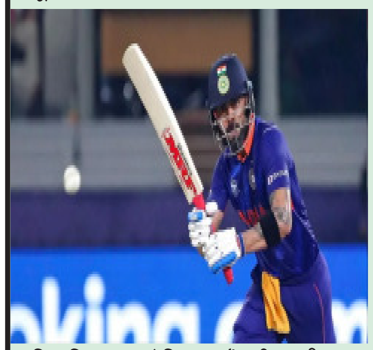

नामित किया था, लेकिन इंग्लैंड की जीत के बाद सैम कुर्रन को ये खिताब दिया गया जो कोहली व सूर्य के साथ प्लेयर आफ द टूर्नामेंट के लिए नामित थे। कुर्रन की गेंदबाजी पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में देखने वाली थी और उन्होंने बाबर आजम की टीम के तीन बल्लेबाजों को आउट किया था और मैन आफ द मैच भी बने थे। फाइनल में इंग्लैंड की जीत के बाद सैम कुर्रन को प्लेयर आफ द मैच का खिताब मिला और उन्होंने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। दरअसल टी20 वर्ल्ड कप में सैम से पहले सबसे कम उम्र में प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब हासिल करने वाले बल्लेबाज विराट कोहली थी, लेकिन अब सैम उनसे आगे निकल गए। विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब 25 साल 152 दिन की उम्र में जीता था, लेकिन सैम ने इस टाइटल को 24 साल 163 दिन की उम्र में जीत लिया और कोहली से आगे निकल गए। फाइनल में इंग्लैंड की जीत के बाद सैम कुर्रन को प्लेयर आफ द मैच का खिताब मिला और उन्होंने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। दरअसल टी20 वर्ल्ड कप में सैम से पहले सबसे कम उम्र में प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब हासिल करने वाले बल्लेबाज विराट कोहली थी, लेकिन अब सैम उनसे आगे निकल गए। विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब 25 साल 152 दिन की उम्र में जीता था, लेकिन सैम ने इस टाइटल को 24 साल 163 दिन की उम्र में जीत लिया और कोहली से आगे निकल गए।

इंग्लैंड के एक फैन ने मैदान में घुसकर मनाया जीत का जश्न खूब वायरल हो रहा है वीडियो

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 5 विकेट से मात दे दी। इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के सामने 138 रन का टागेट दिया था। इस टारगेट को इंग्लैंड ने 19 ओवर में 5 विकेट के के बाद एक तरफ जहां इंग्लैंड की टीम जश्न मना रही थी। वहीं, दूसरी ओर इंग्लैंड के एक समर्थक भी अचानक मैदान में घुसकर जश्न मनाने लगे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है मैदान के अंदर एक इंग्लैंड फैन आ जाते हैं और दौड़ लगाना शुरू कर देते हैं। उन्हें पकड़ने के लिए मैच स्टाफ काफी मेहनत कर रहे हैं। बाबर

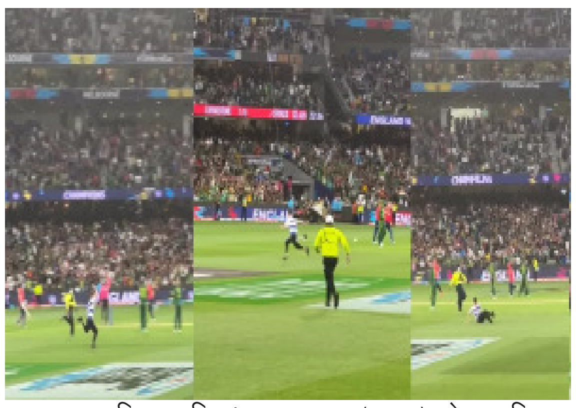

नुकसान पर हासिल कर लिया। इस मैच में इंग्लैंड की ओर से सैम कुरेन और बेन स्टोक्स ने शानदार प्रदर्शन किया। इस मैच में स्टोक्स ने बेन स्टोक्स ने 49 गेंदों पर एक छक्का और 5 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन बनाए। वहीं, सैम कुरेन ने 4 ओवर में 12 देकर 3 विकेट झटके। इस फाइनल मैच में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। इसके अलावा कुरेन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब से भी नवाजा गया। मैच जीतने आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद हारिस, शान मसूद, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, हारिस रऊफ, शाहीन अफरीदी जोस बटलर (विकेटकीपर), एलेक्स हेल्स, फिलिप साल्ट, बेन स्टोक्स, हैरी ब्रुक, लियाम लिविंगस्टोन, मोइन अली, सैम कुरेन, क्रिस वोक्स, क्रिस जार्डन, आदिल राशिद।

राशिफल

मेष-: रियल एस्टेट से जुड़े निवेश से आपको अच्छा मुनाफा होगा. परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊंचे लक्ष्य की प्राप्ति की दृष्टि से जानबूझ कर थोड़ा जोखिम उठाया जा सकता है।

वृष-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आप कोई खास काम करना चाहते हैं तो आज का दिन बेहतर है। कोई बड़ी जिम्मेदारी आपको मिल सकती है।

मिथुन-: आज आप अपने जीवन साथी के स्वभाव में गंभीरता का अनुभव करेंगे. व्यापार में आज कोई जोखिम न लें। लोगों को पैसे उधार देने से बचें। आप भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

कर्क-: स्वास्थ्य को लेकर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

सिंह-: आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव हो सकता है। परिवार के कारण आपका मूड थोड़ा खराब हो सकता है। आप खुद को व्यस्त रखने की कोशिश करेंगे।

कन्या-: आज आपको अपने परिवार वालों से कोई उपहार मिल सकता है. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। विद्यार्थी भी मन लगाकर मेहनत करेंगे। कड़ी मेहनत के कारण आपको सफलता मिलेगी।

तुला-: निवेश से जुड़े अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए. शाम को अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या मूवी देखना आपको सुकून और खुशी का अनुभव कराएगा।

वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस राशि के छात्रों के मन में सकारात्मक विचार आएंगे।

धनु-: आज नौकरी के क्षेत्र में किया गया प्रयास सफल होगा. परिवार के सदस्यों के साथ संबंध और मधुर होंगे। प्रेम संबंधों को लेकर आप काफी उत्साहित रहेंगे।

मकर-: अचानक से परेशानी के कारण परिवार की शांति भंग हो सकती है. लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि समय सब कुछ ठीक कर देगा। परेशानी का सामना शांति से करना समय की मांग है।

कुंभ-: आज आपको मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. घर का काम समय पर पूरा करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। आप नई चीजों को जानने के लिए उत्सुक रहेंगे।

मीन-: आज आपका जीवन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक रहेगा. चुप रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। भविष्य की योजनाओं के बारे में गहराई से सोचें। प्यार आपके शरीर और दिमाग पर हावी है।

शिव थापा ने 2022 एएसबीसी एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप में ऐतिहासिक रजत पदक जीता

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। स्टार भारतीय मुक्केबाज शिव थापा ने शनिवार को ऐतिहासिक रजत पदक जीतकर जार्डन की राजधानी अम्मान में आयोजित 2022 एएसबीसी

एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के शानदार अभियान का समापन किया। भारतीय मुक्केबाजों ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में कुल 12 पदक जीते। यह थापा का इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कुल मिलाकर तीसरा रजत और छठा पदक था। ये सारे पदक उन्हें चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल पुरुष मुक्केबाज बनाते हैं। उनके पिछले दो रजत पदक 2017 और 2021 में आए थे। वह 2013 संस्करण में विजेता रहे थे और 2015 और 2019 में उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया था। पुरुषों के 63.5 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान के अब्दुल्लाव रुस्लान के विरुद्ध शिप थापा ने सतर्क शुरुआत की और मुकाबला आगे बढ़ने के साथ आत्मविश्वास में आते दिखे। हालांकि, एशियाई चैंपियनशिप में दूसरे स्वर्ण की उनकी तलाश एक दुर्भाग्यपूर्ण चोट के कारण रुक गई, जो उन्हें बाउट के दूसरे राउंड में दाहिने घुटने में लगी। गुवाहाटी में जन्मे इस मुक्केबाज के खेल को आगे जारी नहीं रख पाने की स्थिति में उनके प्रतिद्वंद्वी को आरएससी के फैसले के साथ रेफरी ने विजेता घोषित कर दिया। अंतिम दिन एक अन्य रजत पदक के साथ, भारत ने प्रतियोगिता में कुल 12 पदक जीते।

शमी और अख्तर की तकरार के बीच आए शाहिद अफरीदी, बोले ऐसी चीजों से फैलती है नफरत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया नहीं थी फिर भी भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी इस मैच के बाद सोशल मीडिया पर एक दूसरे मोहम्मद शमी की प्रतिक्रिया आई तो चर्चा शुरू हो गई। अब इस पर शाहिद अफरीदी की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने शमी और शोएब अख्तर की इस तकरार पर समा टीवी पर डिबेट के दौरान

से भिड़ गए। एमसीजी में खेले गए फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने जैसे ही पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया वैसे ही लोगों की भावनाएं बाहर आने लगी। पाकिस्तान की हार के बाद शोएब अख्तर ने भी टूटे दिल का इमोजी शेयर करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त की थी लेकिन जब इस पर भारत के तेज गेंदबाज अफरीदी ने कहा कि ठहम क्रिकेटर हैं और लोगों के लिए रोल मॉडल हैं। हमें यह सब खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। हम पड़ोसी है। ऐसी चीज नहीं होनी चाहिए जिससे लोगों के बीच नफरत फैले। अगर हम ही ऐसा करेंगे तो आम आदमी से हम क्या उम्मीद रखेंगे। खेलों से हमारे संबंध सुधरते हैं। हम उनके साथ खेलना चाहते हैं, उन्हें पाकिस्तान में खेलते हुए देखना चाहते हैं।

12 साल बाद इंग्लैंड फिर बना टी20 चैंपियन, मेलबर्न में रचा इतिहास

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल मुकाबले में वो सभी रोमांच देखने को मिले जो एक क्रिकेट फैन किसी भी मैच से चाहता है। इस मैच में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन अंत में इंग्लैंड की टीम ने पाकिस्तान को बार हुआ जब वनडे चैंपियन टीम ने टी20 चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सैम कुर्रन को प्लेयर आफ द मैच चुना गया जिन्होंने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट लिए। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया

हराकर दूसरी बार टी20 चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड ने इससे पहले साल 2010 में ये खिताब जीता था, लेकिन अब 12 साल के बाद यानी साल 2022 में फिर से जोस बटलर की कप्तानी में इस टीम ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। यही नहीं विश्व क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली था। पहली पारी में इंग्लैंड की सधी गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह से बिखरी हुई नजर आई। इस टीम की तरफ से कोई बड़ी साझेदारी नहीं हो पाई और इसका नतीजा रहा कि बाबर आजम की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 137 रन ही बनाए और इंग्लिश टीम को जीत के लिए 138 रन का लक्ष्य मिला था। इस मुकाबले में इंग्लैंड को लक्ष्य बेशक कम स्कोर का मिला था, लेकिन पाकिस्तान ने दूसरी पारी में अपनी बल्लेबाजी से इस टीम के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी कर दी थी। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने दमदार गेंदबाजी के जरिए इंग्लैंड को मुश्किल में जरूर डाल दिया, लेकिन बेन की पारी ने सबकुछ बदल दिया और उनकी टीम चैंपियन बनी। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 19 ओवर में 5 विकेट पर 138 रन बनाते हुए अपनी टीम को 5 विकेट से जीत दिला दी। इंग्लैंड के खतरनाक ओपनर बल्लेबाज एलेक्स हेल्स को शाहीन अफरीदी ने एक रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। फिलिप साल्ट ने 10 रन की पारी खेली और हैरिस राउफ ने उन्हें कैच आउट करवा दिया। तीसरे विकेट के रूप में इंग्लैंड को बड़ा झटका जोस बटलर के तौर पर लगा। उन्हें हारिस रउफ ने रिजवान के हाथों कैच करवाया। बटलर ने 26 रन बनाए। चौथे विकेट के लिए स्टोक्स और ब्रूक ने 39 रन जोड़े लेकिन 20 के निजी स्कोर पर ब्रूक शादाब खाना का शिकार बने। उनका कैच शाहीन अफरीदी ने पकड़ा। मोइन अली ने 19 रन की पारी खेली और मो. वसीम जूनियर की गेंद पर बोल्ड हो गए। बेन स्टोक्स ने 49 गेंदों पर एक छक्का और 5 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन बनाए। मो. रिजवान ने 15 रन बनाए, लेकिन सैम कुर्रन की एक गेंद उनके बल्ले का निचला किनारा लेती हुई विकेट से टकरा गई और वो बोल्ड हो गए। मो. हारिस को आदिल राशिद ने 8 रन पर बेन स्टोक्स के हाथों कैच आउट करवा दिया। कप्तान बाबर आजम ने 28 गेंदों पर 32 रन बनाए और आदिल राशिद ने उन्हें अपनी ही गेंद पर कैच लेकर आउट कर दिया। इफ्तिखार अहमद खाता भी नहीं खोल पाए और बेन स्टोक्स की गेंद पर कैच आउट हो गए। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे शान मसूद को सैम कुर्रन ने अपनी गेंद पर आउट किया। उन्होंने 28 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली। शादाब खान ने 20 रन की पारी खेली और वो क्रिस जार्डन की गेंद पर आउट हुए। मो. नवाज 5 रन जबकि मो. वसीम 4 रन बनाकर आउट हुए जबकि शाहीन अफरीदी 5 रन बनाकर नाबाद रहे।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था को देश के आकार के अनुपात में विस्तृत करने की कोशिश

भारत वित्तीय जरूरतों का आकलन कर जलवायु विशिष्ट वित्त जुटाकर उसे वितरित कर रहा है। भारत ने पृथ्वी को बचाने की दिशा में अपनी जिम्मेदारी से अधिक दायित्व उठाया है और यह जलवायु कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार अर्थव्यवस्था को देश के आकार के अनुपात में विस्तृत करने की कोशिश कर रही है, पर इसमें कई चुनौतियां हैं, जिनमें से एक जलवायु परिवर्तन भी है। वैश्विक तापमान को कम करने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को विशिष्ट सीमा के भीतर रखने की जरूरत है, जिसे वैश्विक कार्बन बजट कहा जाता है। वैश्विक तापमान को पूर्व-औद्योगिक स्तर के 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की 50 फीसदी संभावना और कार्बन डाई ऑक्साइड के 1,350 गीगाटन के शेष कार्बन बजट में वैश्विक तापमान को दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि तक सीमित करने की 50 फीसदी संभावना के लिए 2020 से दुनिया के पास 500 गीगाटन कार्बन डाई ऑक्साइड के बराबर का शेष कार्बन बजट है। निम्न कार्बन विकास की दिशा में प्रयास करते हुए हमारी दीर्घकालिक निम्न ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन विकास रणनीति (एलटी-एलईडीएस) सात प्रमुख बदलावों पर निर्भर है। पहला, ऊर्जा क्षेत्र में वृद्धि औद्योगिक विस्तार को सक्षम करने, रोजगार सृजन बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण है। भारत अक्षय ऊर्जा का विस्तार कर रहा है और ग्रिड को मजबूत कर रहा है। यह अन्य निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों की खोज और/या समर्थन कर रहा है। यह जीवाश्म ईंधन संसाधनों के तर्कसंगत उपयोग की ओर बढ़ रहा है। दूसरा, जीडीपी में परिवहन का बड़ा योगदान है। भारत यात्री और माल की गतिशीलता के लिए परिवहन साधनों में आवश्यक विस्तार के संदर्भ में निम्न कार्बन विकल्पों की दिशा में काम कर रहा है। तीसरा, शहरी डिजाइनों में अनुकूलन के उपाय खोजना और उन्हें प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। भारत पर्यावरण व शहरी प्रणालियों में अनुकूलन उपायों को मुख्यधारा में ला रहा है। यह शहरी नियोजन दिशानिर्देशों, नीतियों व उपनियमों में संसाधन दक्षता को बढ़ावा दे रहा है, मौजूदा व भावी इमारतों और शहरी प्रणालियों में जलवायु उत्तरदायी और लचीले भवन डिजाइन, निर्माण व संचालन को बढ़ावा दे रहा है और संसाधन दक्षता, ठोस व तरल कचरा प्रबंधन से कम कार्बन उत्सर्जन वाली नगरपालिका सेवा को बढ़ावा दे रहा है। चौथा, जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने की नीतियों के साथ औद्योगिक विकास प्रमुख उद्देश्य है। इस संदर्भ में निम्न-कार्बन विकल्पों का पता लगाया जा रहा है। भारत का ध्यान ऊर्जा एवं संसाधन दक्षता में सुधार पर है। पांचवां, कार्बन डाई ऑक्साइड कम करने के लिए नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु-विशिष्ट वित्त और क्षमता निर्माण के जरिये पर्याप्त वैश्विक समर्थन चाहिए। अभी भारत सामाजिक-आर्थिक, आजीविका और पारिस्थितिकी तंत्र में इसका असर कम करने के लिए प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण व योजना का कार्य कर रहा है। छठा, प्राकृतिक संसाधनों की वृद्धि, संसाधन विरासत के संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता इस क्षेत्र की प्रमुख रणनीति है। इसके तहत वन और उसके पौधे, पशु और माइक्रोबियल आनुवंशिक संसाधनों की बहाली, संरक्षण और प्रबंधन, वनों के बाहर पेड़ों की बहाली, संरक्षण और प्रबंधन, नर्सरी के उन्नयन सहित राज्य के वन विभागों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना शामिल है। सातवां, गरीबी उन्मूलन, रोजगार व आय में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन के प्रति बढ़ती सहनशीलता व समृद्धि के एक नए स्तर तक पहुंचने की प्राथमिकताओं को देखते हुए निम्न-कार्बन विकास के उद्देश्यों को पाने के लिए किफायती अंतरराष्ट्रीय जलवायु वित्त आवश्यक है। भारत वित्तीय जरूरतों का आकलन कर जलवायु विशिष्ट वित्त जुटाकर उसे वितरित कर रहा है। भारत ने पृथ्वी को बचाने की दिशा में अपनी जिम्मेदारी से अधिक दायित्व उठाया है और यह जलवायु कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। वैश्विक सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व जलवायु व्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने में भारत सक्रिय रहा है, जिसे हमने संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज के क्योटो प्रोटोकॉल और पेरिस समझौते के तहत सामूहिक रूप से स्वीकार किया है।

रबी गोष्ठी में शामिल हुए सीएम योगी बोले- किसानों की आमदमी करेंगे दोगुना

किसानों कहा कि किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़ा गया। हम कृषि क्षेत्र में लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सिंचाई योजना से किसानों को बहुत फायदा पहुंचा है। इसकी वजह से गेहूं के उत्पादन में यूपी नंबर वन बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेती में अत्याधुनिक तकनीकी का प्रयोग व प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता है। इस परिप्रेक्ष्य में हमें गो आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। यह जीरो बजट खेती है और इसके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं। प्राकृतिक खेती में तकनीकी से उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। थोड़ी जागरूकता व सावधानी से प्राकृतिक खेती के जरिये कम लागत में अधिक उत्पादकता प्राप्त कर किसान आमदनी बढ़ा सकते हैं। परंपरागत खेती को आधुनिक तरीके से करने के साथ किसानों को बागवानी, सब्जी व सह फसली खेती की ओर अग्रसर होना होगा इससे उनकी अधिक से अधिक आमदनी हो सकेगी। सीएम योगी सोमवार को महंत दिग्विजयनाथ पार्क में गोरखपुर, बस्ती, आजमगढ़ व देवीपाटन मंडल की रबी उत्पादता समीक्षा गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है। खेती-किसानी यहां आमदनी का एक बड़ा जरिया है। देश की सबसे अच्छी उर्वर भूमि और सबसे अच्छा जल संसाधन उत्तर प्रदेश में है। यहां की भूमि की उर्वरता व जल संसाधन की ही देन है कि देश की कुल कृषि योग्य भूमि का 12 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद देश के खाद्यान्न उत्पादन में अकेले उत्तर प्रदेश का योगदान 20 प्रतिशत का है। इसे अभी तीन गुना तक बढ़ाए जाने की संभावना है। सीएम योगी ने कहा कि समय पर अच्छी गुणवत्ता का बीज तथा तकनीकी का प्रयोग कर हमें कम लागत में अधिक उत्पादकता बढ़ाने में सफलता मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी यही मंशा है कि खेती की लागत को कम करते हुए उत्पादकता बढ़ाई जाए ताकि किसानों की आमदनी दोगुनी हो सके। इसके लिए व्यापक कार्यक्रम व अभियान भी चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल उत्पादन में रबी का सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और इसमें भी मुख्य फसल गेहूं की होती है। गेहूं उत्पादन के मामले में उत्तर प्रदेश पूरे देश में नंबर एक पर है। हर जिले में कृषि विज्ञान केंद्रों से परामर्श, समय पर बीज व पानी की व्यवस्था कर सरकार किसानों की भरपूर मदद कर रही है। किसानों के हित में पहली बार फसल बीमा योजना शुरू की गई। कोरोना काल में भी किसानों ने दुनिया को निराश नहीं किया मुख्यमंत्री ने कहा कि ढाई साल के कोरोना काल में सिर्फ कृषि सेक्टर की उत्पादकता बढ़ी। किसानों ने दुनिया को निराश नहीं होने दिया।

खेतों में अन्न पैदा होता रहा तो गरीबों को मुफ्त में राशन लेने की दुनिया की सबसे बड़ी स्कीम अपने देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाई गई। देश में 80 करोड़ तथा उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को प्रतिमाह मुफ्त में दो बार राशन दिया गया। सरकार ने भी किसानों को लागत का डेढ़ गुना एमएसपी देने के साथ ही यह सुनिश्चित किया कि महामारी के चलते किसी के भी रोजगार पर असर न पड़े और न ही किसी को खाने के लाले पड़ें। जनकल्याणकारी सरकार का यही कार्य भी होता है। 21 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर मिली सिंचाई की सुविधा मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले 5 सालों में हर सेक्टर में कुछ न कुछ नया हुआ है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से पिछले पांच साल में प्रदेश में 21 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर सिंचाई की सुविधा मिली है। सरयू नहर परियोजना से पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौ जिलों में अतिरिक्त भूमि पर सिंचाई सुनिश्चित हुई है। हर जिले में व्यापक स्तर पर नलकूप की स्कीम चलाने के साथ सिंचाई की सुविधा को बढ़ाने के लिए पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को अपने खेतों में सोलर पंप लगाने की व्यवस्था की जा रही है। 1.80 लाख करोड़ रुपये का हुआ गन्ना मूल्य भुगतान सीएम योगी ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान भी सरकार ने सभी चीनी मिलों का संचालन किया। किसानों को 1.80 लाख करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया। एक बार फिर चीनी मिलों में पेराई सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। सरकार ने पिपराइच व मुंडेरवा में चीनी मिलों को चलाकर गन्ना किसानों के हित में बड़ी पहल की है। अब तक हो चुकी तीन लाख मीट्रिक टन धान की खरीद मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की मांग के अनुरूप पर्याप्त संख्या में धान क्रय केंद्र खोले जाएं ताकि अन्नदाता आसानी से अपनी उपज बेच सकें। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक तीन लाख मैट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है। धान, बाजरा, मक्का सभी फसलों का क्रय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करते हुए किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से धनराशि यथाशीघ्र उनके बैंक खातों में अंतरित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया है। सीएम योगी के नेतृत्व में 5 सालों से उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में सर्वप्रथमः कृषि मंत्री रबी उत्पादकता समीक्षा गोष्ठी में प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में पिछले 5 सालों से देश में सर्वप्रथम है देश में 32 प्रतिशत गेहूं का उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश में हो रहा है। खेती की गुणवत्ता के लिए अधिक मात्रा में खाद के प्रयोग से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे बीज, समय पर बुवाई व तकनीकी के कारगर प्रयोग से किसान उत्पादन बढ़ा सकते हैं। कृषि मंत्री ने बताया कि सरकार सभी ब्लॉकों में 50 फीसद अनुदान पर बीज उपलब्ध करा रही है। पिछले 5 साल में अनुदानित बीज की मात्रा 4.5 लाख कुंतल से बढ़ाकर 7.5 कुंतल कर दी गई है। इसके साथ ही सरकार दलहन व तिलहन के चार लाख मिनी किट किसानों में वितरित कर चुकी है।पराली जलाने की समस्या का जिक्र करते हुए कृषि मंत्री ने बताया कि पंजाब की तुलना में उत्तर प्रदेश में पराली जलाने के मामले न्यूनतम हैं। किसानों के हित में प्रदेश सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 450 करोड़ों रुपए का अनुदान कृषि यंत्रों पर दिया गया है। पिछले 5 साल में 27000 सोलर पंप लगाए गए हैं। रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान से गन्ने की खेती का रकबा 22 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 27 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। दुनिया में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए सभी जिलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।मोटे अनाजों के उत्पादन के लिए 2.5 लाख किसानों को करेंगे प्रोत्साहित कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर दुनिया के 70 देशों ने एक स्वर में वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। पीएम मोदी के प्रयासों से ज्वार, बाजरा, कोदो, सांवा आदि मोटे अनाजों को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान मिलने जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के अनुरूप प्रदेश सरकार 2.5 लाख किसानों को मोटे अनाजों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करेगी। कृषि मंत्री ने अनुरोध किया कि सांसद रवि किशन शुक्ला मोटे अनाजों के ब्रांड एंबेसडर बनें। कृषि क्षेत्र सीएम योगी की विशेष प्राथमिकता का विषयः कृषि राज्यमंत्री कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह ओलख ने कहा कि कृषि क्षेत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विशेष प्राथमिकता का विषय है। पिछले 5 साल में कृषि क्षेत्र की तरक्की उनकी प्राथमिकता की ही देन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी-चौगुनी करने की दिशा में काम कर रही है। किसानों के लिए अनगिनत योजनाएं चला रही केंद्र व प्रदेश सरकारः सांसद रविकिशन गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों के हित में अनगिनत योजनाएं चला रही है। उन्होंने कई योजनाओं का उल्लेख करने के साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली बार मुख्यमंत्री बनते ही प्रदेश के किसानों का 32000 करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया। पहले जहां यूरिया के नाम पर लाठी चलती थी वहीं अब यूरिया की सहज उपलब्धता है। तिलहन-दलहन से आमदनी बढ़ा सकते हैं किसानः कृषि उत्पादन आयुक्त कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने रबी उत्पादकता गोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश में प्रति वर्ष एक लाख करोड़ रुपये के खाद्य तेल और 30 हजार करोड़ रुपये के दलहन का आयात होता है। किसान भाई तिलहन व दलहन की खेती से अपनी आमदनी बढ़ाने के साथ आयात पर निर्भरता भी कम कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश का योगदान 600 लाख टन का है। इसमें 400 लाख टन खाद्यान्न का उत्पादन रबी में होता है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि वर्तमान में धान क्रय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 90 फीसद किसान एक माह में ही अपना खाद्यान्न बेच देते हैं।

जनसंख्या विस्फोट के बीच बढ़ते खाद्य संकट से उबरने के उपाय खोजने होंगे

खाद्योत्पादन के मोर्चे पर उपलब्धियों का ढोल पीटने वाले हमारे जैसे देश यदि जनसंख्या के बारूद पर बैठे रहेंगे, तो वह यह न समझें कि वह एक बड़े विस्फोट से बचे रहेंगे। धरती सीमित है, संसाधन सीमित हैं, खाद्यान्न सीमित हैं; लेकिन जनसंख्या की कोई सीमा नहीं। जनसंख्या बढ़ोतरी और खाद्योत्पादन की चिंता साथ-साथ चलती है। आज 15 नवंबर को जब संयुक्त राष्ट्र की गणना के मुताबिक, दुनिया की जनसंख्या आठ अरब हो रही है, तो माल्थस के बहुचर्चित सिद्धांत की अनुगूंज सुनाई पड़ रही है। जनसंख्या और खाद्योत्पादन के संबंधों का जो दर्शन कभी माल्थस ने दिया था, वह लगभग सवा 200 वर्ष बाद यथार्थ रूप लेता प्रतीत हो रहा है। एक शताब्दी से अधिक समय तक कठोर आलोचनाओं का दंश और व्यंग्य बाण झेलते माल्थस का सिद्धांत अब दुनिया के सामने सीना ताने खड़ा है। थॉमस रॉबर्ट माल्थस (1766-1834) कभी अपने देश, इंग्लैंड की जनसंख्या वृद्धि से चिंतित थे। वर्ष 1798 में उन्होंने, 'जनसंख्या का सिद्धांत' विषयक एक निबंध लिखा। उन्होंने 1803 में अपने निष्कर्षों को फिर से संशोधित किया। माल्थस को पूर्वाभास था कि उस समय इंग्लैंड एक आपदा की ओर बढ़ रहा है और, इसलिए, वह चाहते थे कि शासक उस अत्यंत महत्वपूर्ण समस्या से परिचित हों। माल्थुसियन सिद्धांत है क्या यह बहुत दिलचस्प है, क्योंकि यह भोजन और बढ़ती मानव आबादी के बीच संबंधों के महत्व को रेखांकित करता है। एक वाक्य में कहें तो यह है : 'घातीय जनसंख्या वृद्धि और अंकगणितीय खाद्य आपूर्ति वृद्धि का सिद्धांत।' माल्थस के अपने शब्दों में : 'प्राकृतिक रूप में मानव खाद्य का उत्पादन धीमे अंकगणितीय अनुपात में बढ़ता है और जनसंख्या एक त्वरित ज्यामितीय अनुपात में बढ़ती है, जब तक कि उसे रोका न जाए।' माल्थस की चेतावनी थी कि जनसंख्या में निरंतर वृद्धि उस स्तर पर पहुंच जाएगी, जहां खाद्य आपूर्ति आबादी को पोषित करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। माना जाता है कि मानव आबादी हर 25 साल में दोगुनी हो जाती है। जनसंख्या की वृद्धि भोजन की अबाध उपलब्धि का ही परिणाम है तथा खाद्य उत्पादन ह्रासमान प्रतिफल के नियम (लॉ ऑफ डिमिनिशिंग रिटर्न) के अधीन है। इन दो पहलुओं के आधार पर माल्थस ने अनुमान लगाया कि मानव आबादी खाद्य आपूर्ति से आगे निकल जाएगी। क्या होगा यदि किसी देश की मानव संख्या खाद्य उत्पादन के स्तर से अधिक हो जाए? माल्थस का तर्क है कि बहुत से लोग भोजन की अनुपलब्धता से मरेंगे। जनसंख्या वृद्धि पर एक ठोस राष्ट्रीय नीति बनाकर तथा उसको कानूनी रूप देकर उसका कठोरता से अनुपालन नहीं किया गया तो, जनसंख्या नियंत्रण का प्राकृतिक रूप उभर कर सामने आएगा, जो बहुत ही भयावह होगा। माल्थस का मानना था कि जो सकारात्मक या प्राकृतिक नियंत्रण जनसंख्या-खाद्योत्पादन असंतुलन को पुनः संतुलन में ला देंगे, वे हैं अकाल, बीमारी और युद्ध। 19 वीं और 20 वीं सदी में माल्थस के जनसंख्या सिद्धांत की व्यापक रूप से आलोचना की गई। आलोचना का हॉटस्पॉट रहा यूरोप, जहां खाद्योत्पादन की दर जनसंख्या वृद्धि से निरंतर आगे रही। जिन देशों को अर्थशास्त्री बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में 'तीसरी दुनिया' कहकर संबोधित करते रहे, उसके कई देश कृषि की नई तकनीकों के आगमन से खाद्योत्पादन में 'प्रथम दुनिया' के समकक्ष आ गए। भारत उनमें से एक रहा है। माल्थस की आलोचना इसलिए भी की जाती है कि उन्होंने सामाजिक-आर्थिक विकास के नए क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दिया, जैसे कृषि योग्य भूमि का विस्तार, आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी, परिवहन और संचार के साधन, देशों के बीच खुला व्यापार, आदि जो अकाल और भुखमरी जैसी किसी भी स्थिति से बचने में सहायक होंगे। माल्थुसियन सिद्धांत बढ़ती जन्म दर को जनसंख्या वृद्धि का एकमात्र कारण मानता है। वास्तविकता का दूसरा पक्ष यह है कि घटती मृत्यु दर और लोगों के जीवन काल में वृद्धि भी जनसंख्या के आकार के प्रमुख कारण हैं। माल्थस ने यह नहीं सोचा था कि चिकित्सा विज्ञान में शानदार उपलब्धियों से घातक बीमारियों का इलाज और नियंत्रण हो सकता है और लोगों के जीवन काल में काफी वृद्धि हो सकती है, जिससे जनसंख्या वृद्धि की तीव्र दर बढ़ सकती है। हालांकि उनका सिद्धांत इंग्लैंड के लिए अपनी वैधता सिद्ध नहीं कर पाया, लेकिन सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बदलने के कारण इस पर ध्यान केंद्रित किया गया और इसने लोगों को अपने भविष्य के बारे में पर्याप्त जागरूक किया। सिद्धांत के मूल तत्व आज भी जीवित हैं। वास्तव में, इस सिद्धांत की एक सार्वभौमिक अपील है। यह सिद्धांत केवल एक जैव-भौतिक इकाई के रूप में दृष्टिगोचर नहीं होता। यह अपने आप में एक घटना है। और, कुल मिलाकर, यह घटना चल रही है, यद्यपि धीमी गति से। एशिया और अफ्रीका के कई देश पहले से ही एक गंभीर वास्तविकता का सामना कर रहे हैं, जिसकी माल्थस ने 18वीं शताब्दी के अंत में भविष्यवाणी की थी। और इस वर्ष तो श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा भारत के कई अन्य पड़ोसी देशों ने माल्थस सिद्धांत के उसकी संपूर्णता में दर्शन कर लिए हैं। यदि आज की दुनिया में संपूर्ण यूरोप और अधिकांश पश्चिमी देशों को अधिक जनसंख्या और सामाजिक-आर्थिक कष्टों की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है, तो इसका श्रेय भी माल्थस को जाता है। माल्थस ने अपने देश को अति-जनसंख्या के परिणामों के बारे में आगाह किया और पूरे यूरोप और दुनिया के कई देशों ने 'जनसंख्या विस्फोट' की स्थिति से बचने के लिए उचित उपाय करना शुरू कर दिया। निवारक उपाय, विशेष रूप से विभिन्न गर्भ निरोधकों का उपयोग और जन्म नियंत्रण के अन्य विभिन्न उपाय, ट्यूबेक्टोमी, पुरुष नसबंदी, आदि माल्थस सिद्धांत में छिपे हुए तत्व हैं। देर से विवाह, प्रति विवाह कम बच्चे, परिवार नियोजन के लिए प्रोत्साहन और राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से अपनाए गए ऐसे कई उपाय माल्थुसियन सिद्धांत के साथ निहित पूर्वाभास से सीखे गए सबक हैं। खाद्योत्पादन के मोर्चे पर उपलब्धियों का ढोल पीटने वाले हमारे जैसे देश यदि जनसंख्या के बारूद पर बैठे रहेंगे, तो वह यह न समझें कि वह एक बड़े विस्फोट से बचे रहेंगे। धरती सीमित है, संसाधन सीमित हैं, खाद्यान्न सीमित हैं; लेकिन जनसंख्या की कोई सीमा नहीं। माल्थस का साया हमारे ऊपर पड़ रहा है, मगर हमारी चेतना अब भी कुंद है। वह अपनी कब्र में पड़ा हम पर हंस रहा है, और हम 'आसमान गिरेगा, तो उसको थाम लेंगे' के भ्रम में उसको अनसुना कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना की चपेट में बीजिंग समेत चीन के कई शहर, दर्ज हुए रिकार्ड मामले

शंघाई। चीन की राजधानी बीजिंग समेत देश के कई शहरों में कोरोना संक्रमण रफ्तार पकड़ रही है। सोमवार को देश के कई शहरों में रिकाई कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। इससे यहां के अथॉरिटी दबाव में हैं। इस घातक संक्रमण पर काबू पाने के लिए तेजी से प्रयास जारी हैं। यहां कोशिश की जा रही है कि कोरोना संक्रमण का असर यहां की जनता पर कम से कम हो और आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू तरीके से हो सके। देश भर में 16,072 नए स्थानीय संक्रमण के मामले मिले हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने दी।रविवार को यह आंकड़ा 14,761 था। बता दें कि बीते अप्रैल में यहां कोरोना का प्रकोप सबसे अधिक था, उस वक्त शंघाई इस गंभीर महामारी से जूझ रहा था। यहां कोविड प्रतिबंधों में ढील दे दी गई है। वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि चीन को दोबारा से खोलना खतरनाक है क्योंकि कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़त देखी जा रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि मार्च से पहले देश में कोरोना प्रतिबंधों में ढील नहीं दी जाएगी।

शी जिनपिंग कर सकते हैं जापानी प्रधानमंत्री से मुलाकात

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और चीनी नेता शी जिनपिंग जी-20 सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। इस बैठक से पहले जापान सरकार के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि दोनों नेताओं के बीच मुलाकात करवाने को लेकर जापान प्रयासरत है। मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजु मात्सुनो एक नियमित समाचार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, किशिदा और शी दोनों मंगलवार को बाली में शुरू हो रहे ग्रुप ऑफ 20 (जी20) शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं।इंडोनेशिया में आज से शुरू हो रहे जी20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। पीएम मोदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज ही इंडोनेशिया के माली रवाना होंगे। इस बीच चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, लेकिन इससे पहले उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित द्विपक्षीय बैठक माली में होगी।

बांदा- तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा

(आधुनिक समाचार सेवा)

बांदा। सड़क किनारे पानी भर रहे 6 हुए हादसे का शिकार 1 बच्चे की मौत 5 लोग हुए घायल , सूचना के बाद मौके पर पहुचे पुलिस प्रशासन ने घायलों को भेजा उपचार के लिए एक बच्चे की मौत की हुई मौत 5 घायल का अस्पताल में हो रहा उपचार्र्हम्प्दे/ यूपी के बांदा में तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया घटना में सड़क किनारे मौजूद पानी भर रहे 6 लोग हादसे का शिकार हो गए वहीं घटना में एक बच्चे की मौत हो गई और 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया आपको बता दें मामला बांदा जनपद के मरका थाना क्षेत्र के औगासी रोड से सामने आया है जहां पर आज तेज रफ्तार ट्रक सामने से आ रहे ट्रक को साइड देने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया वहीं सड़क किनारे मौजूद पानी भर रहे 6 लोग हादसे का शिकार हो गए घटना में एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई वहीं 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टर के द्वारा घायलों का उपचार किया जा रहा है वही मृतक बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया बाईट - अभिनंदन एसपी बांदा बाईट - गुलाम घायल

किसकी वायु से साँसों ने तन में जीवन पहुँचाया है

(आधुनिक समाचार सेवा)

अमेठी। पंडित माता बदल वासुदेव शिक्षण संस्थान रामशाहपुर,जामो में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी वाणी से एकता और राष्ट्रवाद का संदेश देने के साथ-साथ उपस्थित जनसमुदाय को श्रृंगार,हास्य एवं अन्य रसों की कविताओं से आनंदित किया शिक्षण संस्थान के प्रबंधक धर्मपाल त्रिपाठी डिप्टी के संयोजन में हुए इस काम होता है, जिधर भी मैं चला जाऊँ उधर ही नाम होता है,को लोगों ने बड़े मन से सुना और सराहा। सोनभद्र के प्रद्युम्न त्रिपाठी की राष्ट्रप्रेम की पंक्तियाँ-माँ का मेरे ना हो दाग दामन कभी, सर कटाते रहेंगे वतन के लिए, खूब सराही गई तो भदोही के संदीप कुमार बालाजी की पंक्तियाँ- बारूदों की धरती पर जो गीता कुरान रखते,सरहद पर जो खड़े सिपाही पंक्तियाँ- जिस धरती माँ का पिया है जल और दाना जिसका खाया है, जिसकी वायु से साँसो ने तन में जीवन पहुँचाया है,लोगों के हृदय को छू गईं। बेहोश जौनपुरी ने दरोगाजी की डायरी और वीभत्स रस की रचनाओं को पढ़कर समाज एवं राष्ट्र की विसंगतियों पर तीखा प्रहार किया।लोगों ने उन्हें खूब पसंद किया। अध्यक्षता प्रो0गुरुदीन मिश्रा ने किया।उन्होंने साहित्य और

कार्यक्रम का शुभारंभ गौरीगंज विधानसभा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी विजय किशोर तिवारी ने फीता काटकर किया।उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम जया मिश्रा की सरस्वती वंदना की इन पंक्तियों- हे सरस्वती वीणावादिनी तेरा सब से नाता है,तू सबकी पालनकर्ता तू जग की माता है,से गतिमान हुआ।श्रृंगार के कवि विनय पाण्डेय 'अजय' की पंक्तियां असर करती दुआएं,हैं साँसो का भरोसा क्या,खबर करती हवाएं हैं बातों का भरोसा क्या, पढ़कर लोगों की वाहवाही पाई तो प्रतापगढ़ के चर्चित गीतकार अजय कुमार सोनी की माँ पर पढी ़गई रचना- मेरी माँ की दुआओं से मेरा हर उन्हें लिख जिंदाबाद, लोगों को खूब पसंद आईं तो भदोही के चंद्रकांत भ्रमर की रचना की पंक्तियाँ- का जाब्या परदेस बलमुआ,का रक्खा जिंदगानी में,बड़ा मजा प्रधानी में,को लोगों ने सुना और सराहा। राजेंद्र शुक्ला अमरेश की सास पतोहू पर पढी ़गई हास्य की रचना लोगों द्वारा पसंद की गई। अपने साहित्यिक संचालन से कार्यक्रम को सरस बनाए रखने वाले देश के सुप्रसिद्ध वीर रस कवि डॉ0रणजीत सिंह की ' ऋण चुकाना है ' कविता सुनकर लोग राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत होकर भारत माता के जयकारों से पूरे पांडाल को गुंजायमान कर दिये और उन्हें मालाओं से लादकर राष्ट्रवाद का समर्थन किये।उनकी समाज पर अपना विद्वता पूर्ण विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन करते हुए पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी ने कहा कि कवियों ने राष्ट्र को महत्वपूर्ण योगदान दिया है।उन्होंने कवियों के काव्य पाठ को सराहते हुए उन्हें अपने शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया।कार्यक्रम के आयोजक दिनेश त्रिपाठी ने बहुत सारे लोगों का सारस्वत सम्मान और आभार प्रदर्शन किया।इस अवसर पर ओम नारायण सिंह,उमा नाथ तिवारी,जयकरन सिंह,रविशंकर त्रिपाठी, खुशबू तिवारी,हरी श्याम तिवारी,उमेश सिंह,अभय प्रताप सिंह,रवीन्द्र प्रताप द्विवेदी कपूर,अरुण कुमार पांडे,सूर्य प्रकाश त्रिपाठी सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

गुजरात के इस सीट पर बाप बेटे के बीच होगी टक्कर छोटू वसावा ने दी जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

गांधीनगर। गुजरात विधानसभा चुनाव जहां भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) समेत कई दल एक दूसरे को चुनौती दे रहे हैं। वहीं, झागाडिया सीट पर बाप-बेटे के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। भारतीय ट्राईबल पार्टी (बीटीपी) के संस्थापक छोटूभाई वसावा झागाडिया (एसटी) सीट पर सोमवार को नामांकन दाखिल करेंगे। वह यहां अपने बेटे और पार्टी अध्यक्ष महेश वसावा के खिलाफ ही लड़ने जा रहे हैं। आदिवासी मतदाताओं पर अच्छी पकड़ रखने वाली पार्टी के संस्थापक वसावा ने शनिवार को ट्वीट किया कि मैं कल 152 झागाडिया विधानसभा सीट पर नामांकन करूंगा। मेरे सभी कार्यकर्ता वहां मौजूद रहने चाहिए। पिछले कुछ दिनों से बाप-बेटे में मतभेद की खबरें सामने आ रही थीं। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू से गठबंधन को लेकर भी दोनों के बीच मतभेद दिख चुका है। बता दें कि 2 दिन पहले 11 नवंबर को बीटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश वसावा ने डिप्टी कलेक्टर ऑफिस में अपना नामांकन दाखिल किया। वह अपने साथ कुछ करीबी लोगों को ही ले गए थे। कार्यकर्ताओं को इसकी नामांकन की जानकारी नहीं दी गई थी। छोटूभाई वसावा झागडिया सीट से सात बार के विधायक हैं और आदिवासियों के बीच अच्छी पकड़ रखते हैं। छोटूभाई वसावा ने कहा है कि कुछ लोग राजनीतिक साजिश रच रहे हैं, जिसमें शामिल होकर महेश झागडिया सीट से लड़ रहे हैं।

पंचायत में योगाभ्यास शुरू,बच्चों की तादात डेढ़ सौ पार

(आधुनिक समाचार सेवा)

शहडोल। ब्यौहारी जनपद के ग्राम पंचायत कुम्हियां मे बच्चे अब योग भी कर रहे हैं। बच्चे रोज सूर्य नमस्कार से लेकर अन्य आसन्नों का योगाभ्यास करते हैं। मैदान में बच्चों का योगाभ्यास बड़ा ही मनोरम लगता है। योगाभ्यास बच्चों में मानसिक विकास के साथ ही शारीरिक रूप से भी स्फूर्तिवान हो रहे हैं। ग्राम पंचायत कुम्हियां के बच्चे कक्षा शुरू होने से पहले योगाभ्यास कर रहे हैं। इस ग्राम पंचायत कुम्हियां की पहल अन्य स्कूलों के लिए प्रेरणा बन रही है। यहां छात्र व छात्राएं पहुंचते ही मैदान में चेतना सत्र के लिए लाइन में लग जाते हैं। लगभग चालीस मिनट का यहां चेतना सत्र चलता है। इस बीच सबसे पहले बच्चे प्रार्थना करते हैं। इसके बाद प्रतिज्ञा व उद्देश्य की सीख लेते हैं। ग्राम पंचायत कुम्हियां के सरपंच शैलेंद्र मिश्रा और हीरालाल साकेत शेषमन् चतुर्वेदी. राम सिया केवट और सामाजिक कार्यकर्ता देखरेख में बच्चे योग के विभिन्न तरह के आसन्नों का अभ्यास करते हैं। एसेंबली में बच्चों से किए जाते सवाल-जवाबः चेतना सत्र में बच्चों की एसेंबली में जीएस से संबंधित सवाल और उसके जवाब भी पूछे जाते हैं। सवाल और जबाव बच्चों के बीच होने से एक दूसरे का भी ज्ञान बढ़ता है। साथ ही विषय से जुड़ी बातों पर भी बच्चों के साथ चर्चा होती है। विभिन्न तरह की गतिविधियों से बच्चों की बेहतर उपस्थिति भी हो रही है। कक्षा एक से आठवीं तक में 200 सौ के करीब बच्चे नामांकित हैं।

क्या समाज में जातीय पिछड़ेपन के बजाय आर्थिक आधार पर आरक्षण दिए जाने की 66 प्रतिशत व्यवस्था श्रेयस्कर होगी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए संविधान में किए गए संशोधन को सुप्रीम कोर्ट ने वैधानिक माना है। इस निर्णय के आने के बाद से ही आरक्षण के होने और नहीं होने को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। आरक्षण विवादास्पद मुद्दा है और न्यायिक निर्णय पर असहमति स्वाभाविक है। लेकिन प्रश्न है कि क्या देश में आरक्षण अनवरत चलता रहेगा? भले ही समयसीमा तय नहीं की गई, लेकिन संविधान निर्माताओं ने यह अपेक्षा अवश्य की थी कि कुछ समय पश्चात इसकी समीक्षा हो और समाज पर इसके प्रभाव का आकलन किया जाए। हालांकि ऐसी कोई समीक्षा नहीं हुई। धीरे-धीरे यह ऐसा राजनीतिक मसला बन गया कि किसी भी दल के लिए आरक्षण के विरुद्ध बोलना संभव ही नहीं रह गया। स्थिति यह हो गई कि आरक्षित समूह आरक्षण को आज अपना संवैधानिक अधिकार मानता है। विगत सात दशक से ज्यादा के समय में राजनीतिक दलों और नेताओं ने जनता का मनोविज्ञान बिगाड़ दिया है। सबको अपनी समस्या का

समाधान आरक्षण में दिखाई देता है। कोई नहीं सोचता कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में कितने लोगों को आरक्षण का लाभ मिलेगा? क्या सामाजिक न्याय के लिए आरक्षण के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं? क्या आरक्षण पर हम हमेशा लड़ते रहेंगे? कभी-कभी लगता है कि जनता कोआरक्षण में उलझाकर राजनीतिक दल स्वार्थ सिद्धि में लगे है यूनानी दार्शनिक प्लेटो कहते हैं, अच्छे नेता जनता को असीमित और बुरे नेता जनता को सीमित संसाधनों की ओर ले जाते हैं। सीमित संसाधनों की ओर ले जाने से जनता में संघर्ष और वैमनस्य पैदा होता है। आरक्षण ऐसा ही संसाधन है, जहां विकल्प सीमित हैं और आकांक्षी बहुत ज्यादा। दूसरी ओर, स्वरोजगार एक असीमित क्षेत्र है। उस ओर युवाओं को प्रेरित करना अच्छे नेता का गुण है। वर्तमान सरकार के स्टार्टअप, मुद्रा, स्टैंडअप इंडिया आदि जैसे कदम सराहनीय हैं। स्वतंत्रता के बाद से सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े आज काफी आगे निकल गए हैं। सामान्य वर्ग का युवा नहीं समझ पाता कि जिस पूर्ववर्ती शोषणवादी व्यवस्था में उसकी कोई भूमिका नहीं, उसका दंड वह क्यों भुगत रहा है मुस्लिम समाज में 85 पसमांदा मुस्लिम हैं, जो मतांतरित दलित-शोषित-पिछड़े हिंदू ही हैं। उन्हें तो आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा। दलित-पिछड़ों में भी अनेक उप-वर्ग ऐसे हैं जिन्हें आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिल सका। क्या हमें उनकी भी चिंता नहीं करना चाहिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से यह विचार आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी कि 'जाति' के स्थान पर 'वर्ग' को आरक्षण का आधार बनाया जाए। इससे न केवल जातीय राजनीति पर प्रहार होगा, बल्कि जाति के स्थान पर वर्ग आधारित सामाजिक संरचना की आधारशिला बनेगी।

खंभालिया सीट से आप के सीएम उम्मीदवार इसुदन गढ़वी लड़ेंगे चुनाव

(आधुनिक समाचार सेवा)

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी की गुजरात में मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार इसुदन गढ़वी अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में अपने गृह जिले देवभूमि द्वारका की खंभालिया सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को यह घोषणा की। केजरीवाल ने ट्वीट के जरिए यह ऐलान किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, ठकिसानों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों के लिए वर्षों तक आवाज उठाने वाले इसुदान गढ़वी जाम खंभालिया से चुनाव लड़ेंगे! गुजरात को भगवान कृष्ण की पवित्र भूमि से एक नया और अच्छा मुख्यमंत्री मिलेगा। इसका जवाब देते हुए,

गढ़वी ने ट्वीट किया, आपने और गुजरात के लोगों ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं अपनी आखिरी सांस तक गुजरात के लोगों की सेवा करूंगा। जय जय गरवी गुजरात पूर्व टीवी पत्रकार गढ़वी को आप द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण के परिणाम के आधार पर 4 नवंबर को पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया था। पार्टी की गुजरात इकाई के अध्यक्ष गोपाल इटालिया और महासचिव मजोज सोरठिया भी दौड़ में थे। गढ़वी, जो द्वारका जिले के एक कृषक परिवार से आते हैं, को इटालिया और सोरठिया को दौड़ में पीछे छोड़ते हुए, लगभग 73 प्रतिशत वोट (मुख्यमंत्री चेहरे के लिए मतदान में) प्राप्त हुए थे। इसके साथ ही आप ने 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा के लिए अब तक 175 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है दो चरणों में होने वाले गुजरात चुनाव के पहले चरण में 1 दिसंबर को खंभालिया में 88 अन्य सीटों के साथ मतदान होगा। पहले चरण के लिए नामांकन फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 14 नवंबर है और फॉर्म वापस लेने की आखिरी तारीख 17 नवंबर है। दूसरे चरण का मतदान 5 दिसंबर को होगा और वोटों की गिनती 8 दिसंबर को होगी।

इंडोनेशिया के बाली से बढ़ेगा विश्व का राजनीतिक पारा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के बाली में अगले दो दिनों तक विश्व की राजनीति तापमान बढ़ा हुआ रहेगा। इसकी वजह है वहां पर होने वाला जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का सम्मेलन। इस सम्मेलन की वजह से पहले से ही राजनीतिक पारा बढ़ना शुरू हो गया है। इस सम्मेलन में अमेरिका, चीन, रूस और भारत के अलावा अन्य देश हिस्सा ले रहे हैं। काफी समय बाद

ये पहला अवसर है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग का इस सम्मेलन में आमना सामना होने वाला है। इतना ही नहीं अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने रूस भी आने वाला है। हालांकि, इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल नहीं हो रहे हैं। उनकी जगह विदेश मंत्री सर्गी लावरोव इस सम्मेलन में शामिल होंगे और उनका प्रतिनिधित्व करेंगे। लेकिन, रूस और चीन की मौजूदगी ही इस सम्मेलन में सबसे बड़ी तल्खी की वजह बन गई है। इस सम्मेलन का पारा हाई होने का एक दूसरा कारण इसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का वर्चुअली संबोधन भी है, जिसके रूस सख्त खिलाफ है। आपको बता दें कि जब से यूक्रेन पर रूस ने हमला किया है यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने विभिन्न मंचों पर वर्चुअली शामिल होकर रूस पर तीखा हमला किया है। इस बार भी यही होने वाला है। इस बार के इस सम्मेलन में एक तरफ अमेरिका है तो दूसरी तरफ रूस और चीन है जिनसे अमेरिका का छत्तीस का आंकड़ा है। वहीं ये दोनों देश भी अमेरिका को पसंद नहीं करते हैं और उसके वर्चस्व को खत्म करने की फिराक में हैं। यूक्रेन युद्ध पर जहां चीन और रूस एकमत हैं वहीं अमेरिका इसका घोर विरोधी है। वहीं भारत की बात करें तो भारत का इसके लिए रुख बेहद स्पष्ट है जिसको वो कई बार अलग-अलग मंचों पर जाहिर कर चुका है। इस सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति की मुलाकात चीन के राष्ट्रपति से हो जाए ये तो संभव है लेकिन रूस से किसी तरह की बातचीत इस सम्मेलन में नहीं होने वाली है। यहां पर ये इसलिए बेहद दिलचस्प है कि कुछ समय पहले अमेरिका के एक अहम दस्तावेज में चीन को विश्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए उसको अमेरिका का दुश्मन नंबर वन बताया गया था। इसके बाद भी बाइडन और शी के बीच बातचीत होने की संभावना काफी प्रबल है। इस सम्मेलन से पहले बाइडन और शी के बीच करीब दो बार फोन पर बातचीत हुई है, जो बेहद तीखी रही थी। रत की बात करें तो वो रूस और अमेरिका दोनों का ही बड़ा सहयोगी है। वहीं चीन और भारत के बीच कई मुद्दों पर तनाव है लेकिन वो ऐसा नहीं है कि बातचीत से मुंह फेर लिया जाए। आपको यहां पर ये भी बता दें कि कुछ समय पहले बाली में ही जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों का भी सम्मेलन हुआ था जिसमें माहौल काफी गर्म रहा था। जी-20 सम्मेलन में उत्तर कोरिया के मिसाइल टेस्ट को लेकर भी चर्चा होनी है। अमेरिका इसके प्रति अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर कर चुका है। वहीं चीन के उससे पुराने और घनिष्ठ संबंध हैं और रूस ने भी उत्तर कोरिया से अपने संबंधों को मजबूत करने की तरफ कदम बढ़ाया है। इस मुद्दे पर भी तनाव उभरने की पूरी आशंका है।

2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने की बैठक, योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भाजपा ने आगामी 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रविवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में महासचिव बीएल संतोष की अध्यक्षता में बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान पार्टी ने देशभर में चल रहे सभी कार्यक्रमों की प्रगति के साथ-साथ केंद्र 4 दिसंबर को दिल्ली नगर निगम चुनावों के लिए पार्टी की प्रचार रणनीतियों पर चर्चा हुई भाजपा दिसंबर में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंकने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा वर्ष 2023 भी चुनावी वर्ष है। अगले साल त्रिपुरा, मेघालय, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और

सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। पार्टी ने उन विभिन्न पहलों की भी समीक्षा की, जिन्हें अगले आम चुनावों से पहले करने की जरूरत है। दरअसल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को पार्टी के महासचिवों की एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों और छत्तीसगढ़ सहित नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2014 व 2019 में दर्ज की थी बड़ी जीत भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से सत्ता में है। यह उसका दूसरा कार्यकाल है। 2019 में भी भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला था और पार्टी ने 300 से अधिक सीटें जीती थीं। पार्टी को विश्वास है कि मोदी के नेतृत्व में 2024 के आम चुनाव में भी वह विजयी होगी।

अब यूक्रेन जंग में बाइडन को मदद करने से नहीं रोक पाएंगे ट्रंप, जानें कैसे बिगड़ा खेल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अमेरिका मध्यावधि चुनाव में यूक्रेन जंग के दौरान दी जा रही आर्थिक और सैन्य मदद एक बड़ा मुद्दा है। इस चुनाव में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों ने इसे एक बड़ा मुद्दा बनाया है। ऐसे में ट्रंप ने अमेरिका में मंदी का हवाला देते हुए यह तर्क दिया था कि यूक्रेन को दी जा रही अरबों डालर की मदद बंद होनी चाहिए। मध्यावधि चुनाव में यह एक बड़ा सियासी मुद्दा बन गया था। बाइडन प्रशासन और डेमोक्रेटिक पार्टी को यह चिंता सता रही थी कि अगर कांग्रेस में मानवीय मदद की। प्रो पंत का कहना है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों की मदद के चलते रूस को इस जंग में अभी तक सफलता नहीं मिल सकी है। अमेरिकी मदद के चलते रूस पूरी तरह से यूक्रेन जंग में उलझा हुआ है। कूटनीतिक क्षेत्र में बाइडन प्रशासन की बड़ी सफलता

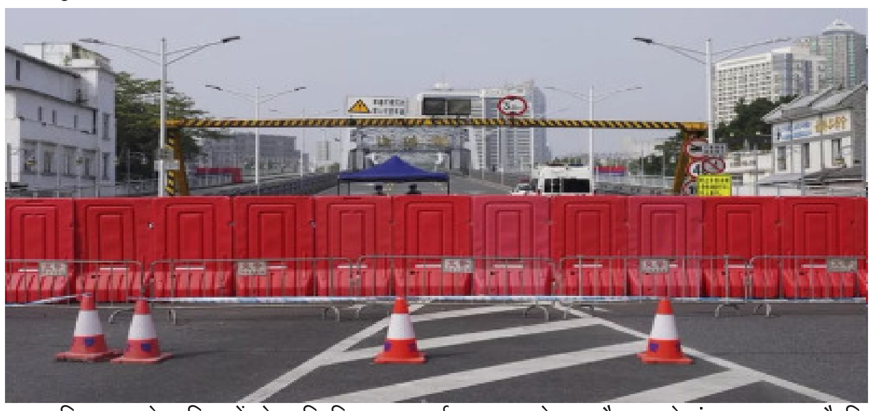

मध्यावधि चुनाव के परिणामों से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन राहत महसूस कर रहे होंगे। आइए जानते हैं कि यूक्रेन की मदद को लेकर बाडन प्रशासन की बड़ी चिंता क्या थी। आखिर डोनाल्ड ट्रंप समर्थकों ने बाइडन द्वारा यूक्रेन में दी जा रही मदद को लेकर क्या कहा। क्या अब बाइडन यूक्रेन को दी जा रही आर्थिक और सन्य मदद बिना किसी बाधा के कर पाएंगे। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट नीति का हवाला देकर यूक्रेन को दी जा रही मदद पर सवाल उठाए हैं। ट्रंप के अमेरिका के फर्स्ट पालिसी को लेकर कई रिपब्लिकन नेता एकजुट हो रहे हैं। रिपब्लिकन का वर्चस्व कायम होता है तो बाइडन प्रशासन के लिए यूक्रेन को राहत देने में बड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है। 1- बाइडन प्रशासन को यह चिंता सता रही थी कि अगर सीनेट में रिपब्लिकन का वर्चस्व बढ़ा तो अमेरिका यूक्रेन को खुलकर मदद नहीं कर सकेगा। इसका असर अमेरिका की विदेश नीति पर पड़ेगा। विदेश मामलों के जानकार प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट पालिसी को लेकर रिपब्लिकन नेता जिस तरह से एक जुट हो रहे हैं उससे राट्रपति बाइडन की चिंता लाजमी है। 2- फरवरी में यूक्रेन युद्ध के प्रारंभ के बाद बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन की सैन्य और है। 3- प्रो पंत का कहना है कि यदि कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत कायम होता है तो बाइडन प्रशासन द्वारा यूक्रेन को दी जा रही मदद में रोरा अटक सकता है। इससे बाइडन प्रशासन के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो सकती है। रिपब्लिकन पार्टी के अधिकांश नेता इस मदद के खिलाफ जा सकते हैं। इसलिए अमेरिका मध्यावधि चुनाव के नतीजे यूक्रेन जंग को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन को सहयोग करना सीमित कर दिया तो यह यूक्रेन पर इसका व?परीत असर पड़ेगा।

ओटीटी पर स्ट्रीम होगी हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया की शादी सामने आई ये नई डिटेल्स

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड सोहेल कथूरिया ने उन्हें शादी के जाएगी। वहीं खबरों की मानें तो दोनों की शादी की स्ट्रीमिंग के लिए डिज्नी प्लस हॉटस्टार का नाम सबसे आगे है। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि शुरुआत होगी। पहले दिन सूफी नाइट और हेल्दी सेरेमनी के साथ होगी। फिर अगले दिन 3 दिसंबर को मेहंदी और संगीत का होगा और वहीं 4 दिसंबर को शादी होगी।

लिए प्रपोज किया था, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। इसी बीच अब इस कपल के शादी की खबरों को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। हंसिका मोटवानी की शादी होगी लाइव स्ट्रीमिंग पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया की शादी लाइव स्ट्रीमिंग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर की नहीं हुई है। हंसिका की शादी में काफी कम मेहमान ही शामिल होंगे, जिनमें कपल के कुछ करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य हैं।बता दें कि हंसिका मोटवानी की शादी 4 दिसंबर को होने वाली है। इस कपल ने अपनी शादी के लिए जयपुर के 450 साल पुराने मुंडोता फोर्ट और पैलेस को चुना है। खबरों की माने तो 2 दिसंबर से प्री फंक्शन की एक्ट्रेस ने हाल ही में कुछ समय पहले तस्वीरों शेयर की थी, जिसमे उनके बॉयफ्रेंड सोहेल ने उन्हें फ्रांस की राजधानी पेरिस में शादी के लिए प्रपोज किया था। उन्होंने एफिल टावर के सामने घुटनों पर बैठकर हंसिका को रिंग पहनाई थी। इन तस्वीरों को शेयर कर एक्ट्रेस ने लिखा था-'अभी और हमेशा के लिए।

मिथुन चक्रवर्ती ने की थी पद्मिनी कोल्हापुरे की 'भागकर' शादी करने में मदद, अब सुनाया पूरा वाकया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पद्मिनी कोल्हापुरे के साथ आपने दोस्ती पर बात की है। उन्होंने बताया कि एक बार सेट पर उन्होंने पेट दर्द का बहाना बनाया था ताकि पद्मिनी कोल्हापुरे शादी करने के लिए जा सके और जब तक वह वापस नहीं आई, तब तक वह ऐसा बहाना बनाकर शादी करके वापस आए। ऐसा कर मैंने उन्हें भागने में सहायता की। आज तक यह बात किसी को पता नहीं थी।'मिथुन और पद्मिनी कोल्हापुरे 33 वर्षों के बाद एक सिंगिंग रियलिटी शो में साथ नजर आए। उन्होंने बीते दिनों को याद किया। उनका रिश्ता टॉम और जेरी का था। दोनों सेट पर लड़ते रहते थे। दोनों में बहुत अच्छी

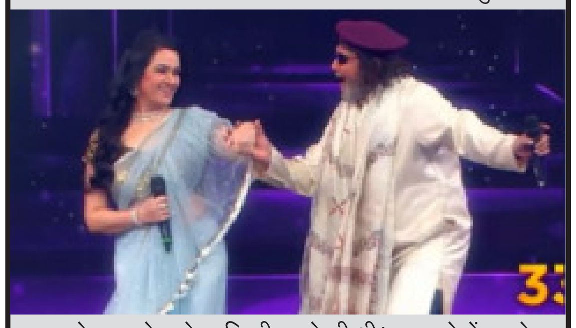

शूट को टालते रहे पद्मिनी कोल्हापुरे ने निर्माता प्रदीप शर्मा से 1986 में शादी की है एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे ने निर्माता प्रदीप शर्मा से 1986 में शादी की है। इस बारे में बताते हुए मिथुन चक्रवर्ती कहते हैं, 'यह बात बहुत कम लोगों को पता है। पद्मिनी कोल्हापुरे ने जिस दिन शादी की, उस दिन वह मेरे साथ शूट कर रही थी। इसके चलते मुझे सेट पर पेटदर्द का बहाना बनाना पड़ा था ताकि वह सेट से जाएं और दोस्ती थी। इस बारे में बताते हुए पद्मिनी कोल्हापुरे ने कहा, 'जी हां, यह बात सही है। मिथुन और मैं हमेशा सेट पर लड़ते रहते थे। मैं जो भी करती थी, उससे मिथुन को चिढ़ होती थी और वे मुझे चिढ़ाया करते थे लेकिन जब हम साथ डांस करते थे, तो सब लोग बहुत खुश होते थे। डांस खत्म होने के बाद हम फिर एक-दूसरे से बात करना बंद कर देते थे।' दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है।

पाकिस्तान ने अपनी ही ऑस्कर एंट्री 'जॉयलैंड' को किया बैन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सईम सादिक के निर्देशन में बनी पाकिस्तानी फिल्म जॉयलैंड को लेकर चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जॉयलैंड पाकिस्तान की तरफ से ऑस्कर 2023 में ऑफिशियल एंट्री करने वाली है, लेकिन इससे पहले ही फिल्म को पाकिस्तान में बैन कर फिल्म फेस्टिवल में काफी सराहना मिली है और फिल्म ने कई अवॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। सर्टिफिकेट मिलने के बावजूद हुई बैन जॉयलैंड को पाकिस्तान में रिलीज के कुछ महीनों पहले ही स्क्रीनिंग के लिए सर्टिफिकेट मिल चुका है, बावजूद इसके फिल्म को बैन करने का कदम उठाया जा रहा है। सूचना प्रसारण कहा, 'हमें लिखित शिकायतें मिली थीं कि फिल्म में अत्यधिक आपत्तिजनक चीजें हैं, जो हमारे समाज के मूल्यों और मानकों के अनुरूप नहीं है। सलीम सादिक की बतौर डायरेक्टर ये पहली फिल्म है। फिल्म की कहानी परिवार में बेटे के जन्म को लेकर पितृसत्ता और दकियानूसी विचारों को दिखाती

दिया गया है। 3 नवंबर को जॉयलैंड का ट्रेलर रिलीज किया गया था और 18 नवंबर को फिल्म रिलीज भी होने वाली थी, इस बीच फिल्म को लेकर बढ़ते बवाल को देखते हुए पाकिस्तान की सरकार ने फिल्म को बैन कर दिया है। जॉयलैंड को भले ही अपने खुद के देश में आलोचनाएं झेलनी पड़ रही हो, लेकिन फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल सहित कई दूसरे विदेशी मंत्रालय ने फिल्म के अत्याधिक आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर इस पर बैन लगाने का फैसला किया।जॉयलैंड को 17 अगस्त को ही स्क्रीनिंग के लिए सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया था, लेकिन फिल्म के कंटेंट को लेकर हाल ही में हुए प्रदर्शन के कारण सूचना प्रसारण मंत्रालय को यह कदम उठाना पड़ा। 11 नवंबर को एक सूचना जारी करते हुए मंत्रालय ने है। जॉयलैंड में एक परिवार है जो अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए एक बेटा चाहता है। परिवार का सबसे छोटा बेटा चोरी-छुपे एक इरॉटिक डांस थिएटर ज्वाइन कर लेता है, जहां उसे एक ट्रांसजेंडर महिला से प्यार हो जाता है। जॉयलैंड में सानिया सईद, अली जुनेजो, अलीना खान, सारवत गिलानी, रस्ती फारूक, सलमान पीरजादा और सोहेल समीर ने अहम भूमिका निभाई है।

तीसरे दिन भी कायम रहा 'यशोदा' का जलवा सॉलिड कमाई से कई फिल्मों को टक्कर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। समांथा रुथ प्रभु की फिल्म यशोदा को रिलीज हुए तीन दिन बीत चुके हैं और शुरुआत से ही यह फिल्म शानदार प्रदर्शन कर रही है। सरोगेट मदर की कहानी को दिखाती इस मूवी में समांथा का दमदार अभिनय और कलेक्शन कर रही है। यशोदा' समांथा रुथ प्रभु की पहली पैन इंडिया मूवी है। इससे पहले 'पुष्पा' पैन इंडिया लेवल पर रिलीज की गई थी, लेकिन उसमें समांथा का आइटम डांस नंबर था। एक्ट्रेस की हालिया रिलीज इस फिल्म को पांच भाषाओं (तमिल, तेलुगू, मलयालम, फिल्म की ओवरऑल परफॉर्मेंस का पता लगेगा। इस फिल्म का बजट 30-35 करोड़ के बीच है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 3.06 करोड़ का कलेक्शन किया। अगले दिन इसकी कमाई में थोड़ा सा उछाल देखा गया। दूसरे दिन फिल्म ने 3.64 करोड़ का बिजनेस

स्क्रीनप्ले लोगों को पसंद आ रहा है। हालांकि, इस फिल्म को क्रिटिक्स से मिक्स रिव्यू मिला है, लेकिन दर्शकों का बढ़ती दिलचस्पी इसे हिट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। यूएस बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद 'यशोदा' भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कन्नड़ और हिंदी) में रिलीज किया गया है। हर राज्य में इस फिल्म को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। ट्रेड एक्सपर्ट्स के अनुसार, वीकेंड पर फिल्म ने कमाई के मामले में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। अब बारी है यह देखने की कि आने वाले वीकडे में फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर क्या हालत होती है। इससे यशोदा किया। इन दो दिनों तक फिल्म ने हिंदी में 14 लाख, तेलुगू में 4.1 करोड़ और तमिल में 40 लाख रुपये कमाए। इस बीच फिल्म के तीसरे दिन के आंकड़े भी आ गए हैं। छुट्टी वाले दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने तीसरे दिन 3.5 करोड़ का बिजनेस किया।

करण जौहर ने दिखाया यश-रूही का 'डिस्को दीवाने' वीडियो, विशाल ददलानी ने दिया ऐसा रिएक्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर करण जौहर सोशल मीडिया पर अक्सर ही अपने बच्चों (यश और रूही) के वीडियो शेयर फिल्म के फेमस पार्टी सॉन्ग पर क्यूट डांस कर रहे हैं। करण जौहर ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें यश 'डिस्को दीवाने' गाते नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में डिस्को मनीष मल्होत्रा, नीतू चंद्रा सहित कई सेलेब्रिटी हैं, जिन्हें यश और रूही की सिंगिंग और डांस पसंद आ रही है। विशाल ददलानी ने कमेंट किया कि यह अमेजिंग है। उन्होंने

करते रहते हैं। दोनों बच्चों की क्यूट अदाओं को लोग काफी पसंद करते हैं। यहां तक कि सेलेब्रिटी के बीच भी यश और रूही का वीडियो काफी पॉपुलर है। हाल ही में डायरेक्टर ने अपने बच्चों का एक और वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों आलिया भट्ट की मूवी के गाने पर कदम थिरका रहे हैं। यह फिल्म कोई और नहीं, बल्कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' है और यश और रूही लाइट्स भी है। यश की सिंगिंग में रूही उन्हें ज्वाइन करती हैं और थोड़ी देर बाद दोनों बच्चे इसी गाने का हुक स्टेप भी करते देखे जा सकते हैं। इस वीडियो को करण ने कैप्शन दिया कि यह डिस्को दीवाने का तीसरा वर्जन है। जौहर के इस वीडियो को कई सेलेब्रिटी ने पसंद किया है। करण जौहर के बच्चों के इस वीडियो को कई सारे सितारों ने पसंद किया है। विवाश ददलानी, कहा, 'हा हा हा...शानदार। अगर मुझसे पूछो तो यह सबसे बेस्ट है।' वहीं, दीया मिर्जा, नीतू कपूर, महीप कपूर, मनीष मल्होत्रा, नेहा धूपिया ने इस वीडियो पर हार्ट इमोजी देकर अपना प्यार लुटाया है। बता दें कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के इस फेमस सॉन्ग को विशाल ददलानी और शेखर रवविजानी ने अपनी आवाज दी थी। यह आलिया भट्ट की डेब्यू मूवी थी।

मराठी एक्ट्रेस कल्याणी कुराले जाधव का सड़क दुर्घटना में निधन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ट्रैक्टर ने मारी टक्कर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कल्याणी कुराले की मौत कोल्हापुर-सांगली हाईवे पर हुई है। हाईवे के हलोंदी इंटरसेक्शन से वायरल हो रहा है, वीडियो में वह एक वायरल डायलॉग पर लिप्सिंग करती हुई दिख रही हैं और दोस्तों के बारे में बता रही है। वीडियो में एक्ट्रेस कहती हुई दिख रही हैं, 'ऐसे ही कोई पक्का

के पास कल्याणी कुराले की मोटरसाइकिल को एक कंक्रीट मिक्सर ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कल्याणी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ सहित मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कल्याणी कुराले के निधन के बाद उनका आखिरी इंस्टाग्राम वीडियो तेजी दोस्त नहीं होता, कमीनापन बराबर का होना चाहिए।' कल्याणी कुराले को 'तुझ जीव रंगला' जैसे टीवी सीरियल के लिए जाना जाता है। इसके अलावा उन्होंने 'दखंचा राजा ज्योतिबा' में भी काम किया है। कल्याणी ने कई अन्य मारठी टीवी शोज में काम करते हुए अहम किरदार निभाए हैं, जिसके लिए फैंस अब उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

अजय देवगन की 'दृश्यम 2' ने एडवांस बुकिंग में दिखाया भौकाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।अजय देवगन और तब्बू स्टारर 'दृश्यम 2' को लेकर काफी क्रेज बना हुआ है। फिल्म बस कुछ ही दिनों में थियेटर्स में दस्तक देने वाली है। मगर उससे पहले ही दर्शकों ने मेकर्स को बड़ी खुशखबरी दे दी है। जी हां, आपने बिलकुल सही शुरू की गई थी। तब फिल्म का टिकट कलेक्शन ठीक-ठाक था। अब टोटल सेल्स के अनुसार, तीन नेशनल चेन्स ईंः, र्प्टें, एर्ड्इंध्घ्ए ने ओपनिंग वीकेंड के लिए 35,332 टिकट्स बेचे हैं। फिल्म की रिलीज को चार दिन का समय बचा है और ऐसे वक्त में इतनी ज्यादा

पढ़ा। 'दृश्यम 2' की ऑफिशियल रिलीज से पहले एडवांस बुकिंग के नाम पर धड़ल्ले से इसके कई टिकट्स बिके हैं।दृश्यम 2' 18 नवंबर को रिलीज होने वाली है। 2015 में आई 'दृश्यम' का यह सीक्वल पहले दिन से चर्चा में बना हुआ है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद साइंस में फिल्म को देखने की बेसब्री और बढ़ गई। मेकर्स ने भी दर्शकों की उत्सुकता को देखते हुए एडवांस बुकिंग शुरू कर दी। 2 अक्टूबर को दृश्यम 2 की एडवांस बुकिंग एडवांस बुकिंग से 'रनवे 34' और 'थैंक गॉड' का रिकॉर्ड टूट गया है। फिल्म को हाल ही में सेंसर बोर्ड की तरफ से पास किया गया। 'दृश्यम 2' को यूए सर्टिफिकेट दिया गया है, जिसका मतलब है कि फिल्म से कोई भी सीन काटा नहीं गया है। इसे कोई भी देख सकता है। मूवी की कहानी 142 मिनट्स में दिखाई जाएगी। यानी कि दृश्यम 2 का रन टाइम 2 घंटे 22 मिनट का है। जबकि, इसके पहले पार्ट 'दृश्यम' का रन टाइम 20 मिनट लंबा था।

कपड़ों को लेकर हिंदुस्तानी भाऊ ने उर्फी जावेद को दी धमकी, एक्ट्रेस बोली- मैं किसी से डरती नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी फेम उर्फी जावेद अपनी ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार वह ट्रोल होती है। आमजन से लेकर कई सेलेब्स भी उनके किया, जिसमें उन्होंने कहा जय हिंद... ये मैसेज उर्फी जावेद के लिए है जो आज के समय में खुद को बहुत बड़ी फैशन डिजाइनर समझ रही हैं। बेटा ये जो तू फैशन के नाम पर कपड़े जो पहनकर घूम रही हैं ये रिवाज

कपड़ों पर कमेंट कर चुके हैं। वहीं एक बार फिर उन्हें अपनी ड्रेसिंग सेंस को लेकर कमेंट्स का सामना करना पड़ा। इस बार उन्हें बिग बॉस फेम हिंदुस्तानी भाऊ ने एक्ट्रेस को धमकी दे डाली है। हिंदुस्तानी भाऊ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर नहीं है ये संस्कृति नहीं है तेरी वजह से बहुत गलत मैसेज जा रहा है बहन बेटियों तक...तो सुधर जा बेटा वरना मैं सुधार दूंगा। भाऊ के इस वीडियो को उर्फी ने भी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इतना ही नहीं उन्होंने इस वीडियो पर गुस्सा जाहिर किया। एक्ट्रेस ने लिखा- पहली बात तो ये वह किसी से डरती नहीं हैं और दूसरी बात ये कि हिंदुस्तानी भाऊ दोगला है। उन्होंने बताया कि एक बार हिंदुस्तानी भाऊ की टीम की ओर से उन्हें मदद ऑफर की थी। मगर उन्होंने ये मदद लेने से मना कर दिया था, तब से ये लोग उनके पीछे पड़ गए हैं। उर्फी जावेद ने आगे लिखा, आप जानते हैं कि मैं आपको जेल भिजवा सकती हूं, लेकिन ऐसा नहीं कर सकती क्योंकि आप तो कई बार जेल जा चुके हैं। ये तो कितना अच्छा संदेश है देश के यूथ के लिए जेल जाना, अपनी से आधी उम्र की लड़की को खुलेआम धमकी देना। एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट में यह भी बताया है कि एक वक्त था जब हिंदुस्तानी भाऊ उनसे प्रमोशन करवाना चाहते थे, लेकिन इसके लिए उन्होंने साफ इनकार कर दिया था। एक्ट्रेस ने आगे ये भी बताया है कि वह ट्रोलिंग के चलते अक्सर मेंटली परेशान हो जाती हैं और अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता करती है।

बचपन में दिल की इस बीमारी से जूझ रही थीं नीति टेलर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीवी की जानी मानी एक्ट्रेस नीति टेलर इन दिनों डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 10 में नजर आ रही हैं। रविवार को में उनकी परफॉर्मेंस ज्यादा कमाल नहीं कर पाई। ऐसे में उन्हें जज से कम मार्क्स मिले। इस दौरान उन्होंने बताया कि- बचपन में मेरे दिल में छेद था। मुझे बहुत सी चीजें करने की है।एक्ट्रेस ने आगे बताया कि अब ठीक हैं। उन्होंने कहा- जब मैं ठीक हुई, तब मैंने खुशी से दिल खोलकर डांस किया। मुझे खुशी है कि मैं झलक दिखला जा में इस एडवेंचर को जी रही हूं। शो के जज टेरेंस लुईस ने एक्ट्रेस की तारीफ की है कहा- मुझे नीति पर गर्व है, क्योंकि उन्होंने इतने हफ्तों में कभी अपनी बीमारी को लेकर बहाना नहीं बनाया।

एक्ट्रेस ने 'झलक दिखला जा 10' के सेट पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर एक बड़ा खुलासा किया, जिसे सुन हर किसी की आंखें नम हो गईं। बचपन में नीति ने दिल में था छेद नीति हर हफ्ते अपनी परफॉर्मेंस से दर्शक और जजेस का दिल जीतती नजर आई हैं, लेकिन इस बार ऐसा न कर सकी। रविवार को नीति ने सात समंदर गाने पर अपने डांस पार्टनर संग परफॉर्म किया, लेकिन इस एपिसोड परमिशन नहीं थी, जिसमें से डांस भी एक था। मैं फ्लाइट में सफर नहीं कर सकती थी। नीति ने बताया कि बचपन में डॉक्टर्स ने भी उन्हें बचाने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन वो एक फाइटर हैं। वो जीना चाहती थी और उन्होंने जिंदगी की जंग लड़ी। नीति ने कहा कि अभी भी वो डांस में बहुत सी चीजें नहीं कर पाती हैं, लेकिन वो अच्छा करने की कोशिश करती रहेंगी, क्योंकि उन्हें डांस करना बहुत पसंद

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज. (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।